छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 15 ■ अंक - 295 ■ अम्बिकापुर, गुरूवार 21 नवम्बर 2024 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

फ्रंटलाइन खबर

मवेशियों की लड़ाई में जख्मी हुई बच्ची की इलाज दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मवेशियों की लड़ाई में छह वर्षीय बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई, उपचार के दौरान बच्ची दम तोड़ दी।

जानकारी के मुताबिक झारखंड के सिमडेगा थाना अंतर्गत ग्राम खालीजोर कुसुमहोती निवासी रूपाली मिलार पिता शंकर मिलार 6 वर्ष, बीते 13 नवम्बर को मवेशी चराने के लिए घर से निकली थी। रास्त में मवेशी आपस में लड़ने लगे, जिसके चपेट में आकर बच्ची गिर गई। इस दौरान मवेशी बच्ची को कुचल दिए, जिसमें उसे गंभीर चोटें आई थी। कुछ लोगों की नजर बच्ची पर पड़ी और वे उसे मवेशियों से बचाए। घटना की जानकारी मिलने पर स्वजन मौके पर पहुंचे और घायल बच्ची को कुमडेगा में स्थित स्वास्थ्य केन्द्र ले गए थे। यहां से इलाज के बाद वे बच्ची को वापस घर लेकर आ गए थे। 14 नवम्बर को बच्ची की तबियत पुन: बिगड़ गई और वे उसे कुमडेवा लेकर पहुंचे। यहां से रेफर करने पर कुनकुरी स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे, यहां से भी इलाज के बाद गच्ची की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सक ने उसे रेफर कर दिया था। मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में उपचार के दौरान बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

रायपुर से हवाई सुविधा से जुड़ेगा झारखण्ड और बिहार...

बिलासपुर एयरपोर्ट पर शुरू होगी नाईट लैंडिंग की सुविधा

छ.ग.फ्रंटलाइन रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली स्थित राजीव गांधी भवन में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापू राममोहन नायडू से मुलाकात की। बैठक में राज्य की हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत करने और क्षेत्रीय हवाई अड्डों के विकास के सम्बन्ध में चर्चा की गयी। केंद्रीय मंत्री ने रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से जल्द ही अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा शुरू करने पर अपनी सहमति जताई है। इसके साथ ही रायपुर एयरपोर्ट पर कार्गो हब विकसित करने की प्रक्रिया भी जल्द शुरू की जाएगी एवं रायपुर एयरपोर्ट से पटना एवं रांची के लिए भी हवाई सेवा शुरू करने की सहमति मिली है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का दर्जा देने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा की बड़ी संभावनाएं हैं। इस कदम से राज्य के आर्थिक विकास को प्रोत्साहन मिलेगा और वैश्विक स्तर पर कनेक्टिविटी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में अंतरराष्ट्रीय यात्री ट्रैफिक को ध्यान में रखते हुए रायपुर से सिंगापुर और दुबई के लिए सीधी उड़ानों की

आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि इन मार्गों पर यात्री ट्रैफिक काफी अच्छा है, जिससे ये सेवाएं व्यावसायिक रूप से लाभकारी साबित होंगी। केंद्रीय उड्डयन मंत्री ने रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से जल्द ही अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा शुरू करने के प्रस्ताव पर अपनी सहमति जताई है।

श्री साय ने राज्य में वर्तमान में कोई बड़ा कार्गो सुविधा केंद्र नहीं होने की जानकारी देते हुए रायपुर के एयरपोर्ट को एक केंद्रीय कार्गो हब में विकसित करने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि इससे कृषि और बागवानी उत्पादों के परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। केन्द्रीय मंत्री ने इस प्रस्ताव पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बैठक में बिलासपुर एयरपोर्ट के लिए 3C IFR कैटेगरी में अपग्रेडेशन का प्रस्ताव भी रखा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इसके लिए रेडियो नेविगेशन सिस्टम डीवीओआर (DVOR) की इंस्टॉलेशन प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करने का अनुरोध किया है। केन्द्रीय मंत्री ने बिलासपुर एयरपोर्ट पर विमानों की नाईट लैंडिंग में आ रही दिक्कतों को देखते हुए इसे तुरंत शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री ने अंबिकापुर एयरपोर्ट को रायपुर, वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या जैसे प्रमुख शहरों से जोड़ने के लिए नई उड़ानों की शुरुआत की भी मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा क्षेत्र की सांस्कृतिक और खनिज संपदा को देखते हुए नई उड़ान सेवा शुरू करने से लोगों को काफी लाभ होगा, जिस पर भी केन्द्रीय मंत्री ने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया है।

बैठक में मुख्यमंत्री ने जगदलपुर और बिलासपुर एयरपोर्ट्स पर आरसीएस उड़ानों के लिए वित्तीय सहायता को बहाल करने की भी मांग की है। उन्होंने बताया कि इन रूट्स पर कनेक्टिविटी बढ़ाने से क्षेत्रीय विकास में मदद मिलेगी। श्री साय ने बताया कि जगदलपुर से रायपुर के बीच इंडिगो एयरलाइंस द्वारा संचालित उड़ान सेवा को कम यात्रियों के चलते बंद कर दिया गया था। इसे पुन: सही समय पर शुरू करने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि बस्तर में पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए इस मार्ग पर हवाई कनेक्टिविटी की भारी मांग है। केंद्रीय मंत्री ने अन्य प्रस्तावों पर भी सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया है।

स्पीड पोस्ट से धमकी भरा खत भेजकर सत्या जेसीबी के मैनेजर से मांगे 10 लाख

पूरे परिवार को दी जान से मार देने की धमकी, पुलिस कर रही जांच

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजे गए रजिस्टर्ड बंद लिफाफा में सत्या जेसीबी प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजर को धमकी भरा एक पत्र मिला है, जिसमें 10 लाख रुपये की मांग की गई है। रुपये नहीं देने पर पूरे परिवार को जान से मार देने की धमकी दी गई है। घटना पुलिस के संज्ञान में आया है और मामले की गहन जांच में पुलिस जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक रिंग रोड़ अंबिकापुर में पॉलीटेक्निक कॉलेज के बगल में स्थित सत्या जेसीबी में गौरव वर्मा 30 वर्ष मैनेजर के पद पर पदस्थ हैं। 11 नवम्बर को वह रायपुर अपने पिता को उपचार के लिए लेकर गए थे। यहां से वापस आने के बाद अपने कार्यस्थल पर गए तो 12 नवम्बर को पोस्ट ऑफिस के माध्यम से स्पीड पोस्ट से उनके नाम एक लिफाफा आने की जानकारी मिली, जिसमें प्रेषक के स्थान पर एक वकील का नाम और अंबिकापुर उल्लेखित है। लिफाफा को खोलने पर उसमें एक अहस्ताक्षरित कम्प्यूटर टायपिंग किया हुआ पत्र मिला, जिसमें अश्लील गाली का उपयोग करते हुए काली घाट के पास नया पुलिया के नीचे सफेद बोरे के ऊपर जी लिखकर 10 लाख रुपये 20 नवम्बर की रात 11 बजे के पहले तक रखने धमकी भरे लहजे में कहा गया था। यही नहीं पुलिस को सूचना देने या पैसा नहीं देने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई है। गौरव वर्मा के अनुसार पत्र को लिखने वाला व्यक्ति उसके पूरे परिवार से वाकिफ है, ऐसा प्रतीत होता है। क्योंकि पत्र में पैसा नहीं देने पर पिता, बहनोई और बहन को भी जान से मार देने का उल्लेख किया गया है। धमकी भरे पत्र में यह भी उल्लेख है कि यदि उसके द्वारा पैसा नहीं दिया गया तो 20 नवम्बर के बाद और 15 जनवरी के पहले कभी भी गंभीर घटना घट सकती है। स्पीड पोस्ट के नम्बर को ट्रेक करने पर ज्ञात हुआ कि 11 नवम्बर को मुख्य डाकघर अंबिकापुर में 1.32 बजे उक्त डाक को बुक किया गया है। पुलिस मामले की गहन जांच में जुट गई है।

एसीबी की कार्रवाई-रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए ज्वाइंट डायरेक्टर, आरआई और पटवारी

छ.ग.फ्रंटलाइन रायपुर। छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मत्स्य विभाग के ज्वाइंट डायरेक्टर, एक राजस्व निरीक्षक (आरआई), और पटवारी को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। एसीबी चीफ अमरेश मिश्रा के नेतृत्व में दर्जनभर अधिकारियों की टीम ने यह ऑपरेशन किया।

मछली पालन विभाग का ज्वाइंट डायरेक्टर गिरफ्तार

20 नवंबर को मत्स्य विभाग के ज्वाइंट डायरेक्टर देव कुमार सिंह को नया रायपुर के इंद्रावती भवन में 1 लाख रुपये रिश्वत लेते पकड़ा गया। रायगढ़ के सहायक मत्स्य संचालक कार्यालय के एक सब-इंजीनियर ने शिकायत की थी कि विभागीय कार्य स्वीकृति के लिए 2 लाख रुपये की मांग की गई थी। शिकायतकर्ता ने रिश्वत नहीं देने का फैसला करते हुए आरोपी को पकड़वाने की योजना बनाई। एसीबी टीम ने शिकायत के आधार पर सत्यापन किया और ट्रैप बिछाकर ज्वाइंट डायरेक्टर को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ धारा 7 पीसी एक्ट 1988 के तहत कार्रवाई की जा रही है।

राजस्व निरीक्षक और पटवारी रिश्वत लेते पकड़े गए

राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार के मामले में एसीबी ने दूसरी कार्रवाई करते हुए राजस्व निरीक्षक अश्वनी राठौर और पटवारी धीरेन्द्र लाटा को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। शिकायतकर्ता संजय दिवाकर ने बताया कि कोरबा के ग्राम जमनीपाली में भूमि खरीदने के लिए सीमांकन की प्रक्रिया के दौरान राजस्व निरीक्षक ने 15,000 रुपये की रिश्वत मांगी। मोलभाव के बाद पटवारी ने इसे 13,000 रुपये में तय कर लिया। एसीबी की टीम ने सत्यापन के बाद आज ट्रैप लगाकर इन दोनों को 8,000 रुपये की दूसरी किश्त लेते हुए गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों की तलाशी और आगे की कार्रवाई

गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके घरों की तलाशी ली जा रही है। इन मामलों में धारा 7 और 12 पीसी एक्ट 1988 के तहत कानूनी कार्रवाई जारी है।

एसीबी की मुहिम

एसीबी चीफ अमरेश मिश्रा ने इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे भ्रष्टाचार की किसी भी घटना की तुरंत सूचना एसीबी को दें। छत्तीसगढ़ एसीबी ने इस कार्रवाई से यह साफ संदेश दिया है कि भ्रष्टाचार के मामलों में कठोर कदम उठाए जाएंगे।

पं रविशंकर त्रिपाठी महाविद्यालय के सांसद प्रतिनिधि बने अमन प्रताप

छ.ग.फ्रंटलाइन भैयाथान। भाजयुमो के अध्यक्ष अमन प्रताप सिंह को सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने पंडित रविशंकर त्रिपाठी शासकीय महाविद्यालय में जनभागीदारी समिति भैयाथान के लिए अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। सांसद की अनुपस्थिति में अमन प्रताप सिंह उनका प्रतिनिधित्व करेंगे। उनकी नियुक्ति से समर्थकों में हर्ष व्याप्त है।

खस्ताहाल सड़कों और गंदगी से परेशान अधिवक्ता ने न्यायालय में वाद दायर किया

निगम आयुक्त व एनएच के अधिकारी से दो लाख रुपये मुआवजा दिलाने की मांग

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नगर की खस्ताहाल सड़कों व फैली रहने वाली गंदगी से हो रही परेशानियों को लेकर अधिवक्ता ने न्यायालय स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएं) अंबिकापुर में वाद दायर करते हुए दो लाख रुपये मुआवजा की मांग की है। मामले में अंबिकापुर नगर निगम आयुक्त, चीफ इंजिनियर, नेशनल हाईवे, कार्यपालन अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, कार्यपालन अभियंता को प्रतिवादी बनाया गया है। मनेन्द्रगढ़ रोड में स्थित कोणार्क रेसीडेंसी पटपरिया निवासी धनंजय मिश्रा पिता स्व. चंद्रभूषण मिश्रा 42 वर्ष ने धारा 22 क (ख) विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के तहत प्रस्तुत आवेदन में उल्लेख किया है कि प्रतिवादियों के द्वारा नगर पालिक निगम अम्बिकापुर क्षेत्रांतर्गत एवं सरगुजा संभाग के अन्य क्षेत्रों मे सडक मरम्मत एवं निर्माण नहीं किए जाने के कारण एवं वाहनों के आवागमन के कारण पूरा क्षेत्र धूल-धूसरित हो गया है। इसके कारण आम जनों के साथ आवेदक को कई प्रकार की स्वास्थ्यगत समस्या होने की संभावना है। अंबिकापुर शहर व आसपास के समूचे क्षेत्रों में उड़ने वाली धूल के कारण अस्वच्छता फैल गई है और एयर क्वालिटी भी बहुत खराब हो गई है, जिस कारण नगरपालिक निगम अंबिकापुर जो स्वच्छता एवं सार्वजनिक साफ सफाई के क्षेत्र में शिखर पर रहता था आज स्वच्छता के मामले में काफी पिछड़ गया है। शहर के अंदर नगर निगम व एनएच के अधीन सड़कों के साथ ही शहर के अंदर से गुजरने वाली सड़कों की हालत बेहद चिंतनीय है। शहर के सदर रोड, स्कूल रोड, घुटरापारा रोड, बनारस रोड, एमजी रोड, खरसिया रोड, रामानुजगंज रोड सहित अन्य मुख्य सडको एवं गलियों की स्थित अत्यंत खराब हो चुकी है। वाहनों की आवाजाही के कारण उक्त क्षेत्र में अत्यधिक धूल उड़ने के कारण आसपास धूल एवं गंदगी पसरी हुई होती है। निगम आयुक्त के द्वारा 15 अक्टूबर 2024 तक उनके अधीन सड़कों के निर्माण का आश्वासन दिया गया था, इसकी जानकारी समाचार पत्रों के माध्यम से मिली थी। उक्त समय बीतने के बाद भी आज पर्यन्त तक सड़कों का निर्माण एवं मरम्मत प्रारंभ नहीं किया गया है। सड़कों की खराब दशा के कारण उन्हें अपने दैनिक कार्यों में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तथा अम्बिकापुर शहर तथा आसपास के क्षेत्र में अनावेदकों की लापरवाही तथा उदासीन कार्य व्यवहार के कारण चहुंओर स्वच्छता एवं साफ-सफाई का अभाव है, जिसे स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी इनकी है। माह जुलाई 2024 में बारिश के दौरान उनके घर के समीप जीर्णशीर्ण अवस्था में स्थित एमजी रोड से वे जिला न्यायालय अंबिकापुर जा रहे थे तो खराब सड़क के कारण उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सड़क मे मोटरसायकल से जाने के दौरान कई बार गंदा पानी उन पर पड़ता था। पूरे वर्षा काल में उक्त स्थिति से वे परेशान रहे। वर्षा काल की समाप्ति के बाद भी सड़कों के निर्माण एवं स्वच्छता की दिशा में कोई प्रयास नहीं किया गया। इसके लिए अनावेदक एकल तथा संयुक्त रूप से जिम्मेदार हैं। उन्होंने वाद में उल्लेख किया है कि इनके उदासीन रवैये, कृत्य एवं उपेक्षापूर्ण कार्य के कारण पहुंची घोर मानसिक क्लेश व पीड़ा एवं गंदगी में अपना दैनिक कार्य करने का आंकलन रुपये में कर पाना संभव नहीं है। फिर भी हुई मानसिक पीड़ा एवं यातना के प्रतीक स्वरूप दो लाख रुपये उन्हें जिम्मेदार प्रतिवादियों से प्रदान कराया जाए, साथ ही नवीन सड़क निर्माण एवं मरम्मत का आदेश पारित किया जाए, जिससे नगर पालिक निगम एवं सरगुजा संभाग के आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता एवं सार्वजनिक सफाई की सेवा निर्बाध रूप से संपादित हो सके।

पैर फिसलने से कुएं में गिरा युवक, इलाज दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शौच के लिए जाने निकला युवक कुएं में गिर गया। ग्रामीणों के सहयोग से उसे कुएं से बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था, यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम बंदना निवासी द्वारिका प्रसाद पिता पोखन राम 40 वर्ष, बीते 19 नवम्बर को अपनी पत्नी सुखन्ती, पुत्र अनुपम के साथ मेहमानी में गया था। रात लगभग 9.30 बजे खाना खाने के बाद वह अपने साढू के साथ शौच के लिए जा रहा था, इसी दौरान पैर फिसलने से वह कुआं में गिर गया। साढू नरेन्द्र शोर मचाया, जिससे गांव के लोग मौके पर पहुंचे और द्वारिका प्रसाद को कुआं की गहराई से बाहर निकाल कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान देर रात 1.35 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।

मानसिक रूप से अस्वस्थ्य किशोरी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। मानसिक रूप से अस्वस्थ्य एक किशोरी ने घर के दरवाजे के पास अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जयनगर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत जयनगर के चट्टीडांड निवासी ड्राइवर हरक लाल पनिका की 17 वर्षीय पुत्री कुमारी रेनू पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से अस्वस्थ्य चल रही थी। किशोरी ने कक्षा दसवीं की पढ़ाई को भी अधूरा ही छोड़कर घर पर रहती थी। बीती रात किशोरी ने अज्ञात कारणों से अपने कमरे के दरवाजे के पास ही अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर पुलिस ने शव पंचनामा पीएम उपरांत शव परिजन के सुपुर्द कर मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

अधिकार अभिलेख में कूटरचना कर जमीन क्रय-विक्रय किये जाने का प्रयास

★ 10 व्यक्तियों पर एफआईआर करने के निर्देश ★ शिक्षा विभाग का सहायक ग्रेड-03 निलंबित ★ भूमि के क्रय-विक्रय के लिए आवश्यक दस्तावेजों हेतु सीधे राजस्व अधिकारियों से करें संपर्क

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। ग्राम मदनेश्वरपुर, तहसील राजपुर के खसरा नंबर 544/22 एवं 550/1 रकबा क्रमशः 5.93 हेक्टेयर एवं 1.33 हेक्टेयर के अधिकार अभिलेख 1954-55 नकल में छेड़छाड़ एवं कूटरचना कर फर्जी दस्तावेज तैयार कर उक्त भूमि को क्रय-विक्रय किये जाने का प्रयास किया गया है।

उक्त राजस्व अभिलेख में कूटरचना के लिए जिला स्तर की जांच दल के द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन के अनुसार कुल 11 व्यक्तियों की संलिप्तता पायी गई है, जिसमें 10 व्यक्तियों पर प्राथमिकी दर्ज कराये जाने हेतु अनुविभागीय अधिकारी (रा.) राजपुर को निर्देशित किया गया है। उक्त कृत्य के लिए तत्कालीन कलेक्टर के द्वारा श्री विजय बहादुर, सहायक ग्रेड-03 कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी बलरामपुर (संलग्न जिला अभिलेखागार) को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुये निलंबित कर्मचारी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु जिला शिक्षा अधिकारी निर्देश दिए गए, साथ ही इस कार्य मे संलिप्त नगर सेना के कर्मचारी श्रीमती तेरेसा लकड़ा, नगर सैनिक, नगर सेनानी बलरामपुर को निलंबन एवं अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु नगर सेनानी बलरामपुर तथा तत्कालीन उप पंजीयक, बलरामपुर के लिए संबंधित विभाग प्रमुख को अनुशासनात्मक कार्यवाही निर्देशित किया गया है।

उक्त कूटरचित दस्तावेज तैयार किये जाने में संलिप्त कर्मचारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए है, जिसमें श्री सुनील मिंज मिंज, श्री सौरभ सिंह, श्री राजेश सिंह, श्री बसील खलखो, श्री रमेश ठाकुर, श्री रामरूप यादव, श्री सुरेशचंद्र मिश्र(गढ़वा, झारखण्ड), श्री जयप्रकाश श्रीवास्तव, श्रीमती तेरेसा लकड़ा श्री विजय बहादुर सिंह, श्री अनुराग वैश्य, तत्कालीन उप पंजीयक, बलरामपुर हैं। इस संबंध में जिला प्रशासन द्वारा जिले के समस्त भूमि स्वामियों से अपील किया गया है कि वे भूमि से संबंधित दस्तावेजों के लिए किसी के बहकावे में न आयें तथा राजस्व अभिलेखों में किसी प्रकार की छेड़छाड़ एवं भू-माफियाओं अथवा किसी से भी कूटरचित अथवा फर्जी दस्तावेज प्राप्त करने से बचें।

भूमि के क्रय-विक्रय के लिए आवश्यक दस्तावेजों हेतु सीधे राजस्व अधिकारियों से संपर्क करें।

पीआरपी द्वारा किए गए फर्जीवाड़ा मामले में तीन सदस्यीय जांच टीम गठित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत तेजस्वी महिला कलस्टर संगठन लटोरी की पीआरपी द्वारा कथित रूप से फर्जी हस्ताक्षर कर राशि आहरित किए जाने के मामले में जिला पंचायत सीईओ द्वारा तीन सदस्यीय जांच टीम गठित कर दी गई है। जांच रिपोर्ट को सप्ताह भर में जमा किए जाने के भी निर्देश दिए गए हैं। फर्जी तरीके से राशि आहरित किए जाने के आरोप के बाद भी पुनः नियुक्ति की मांग का महिला समूह की सदस्यों द्वारा पुरजोर विरोध किया जा रहा है। गौरतलब है कि पिछले दिनों कलेक्टर व जिला सीईओ को दिए ज्ञापन में उल्लेख किया गया था कि छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत तेजस्वी महिला कलस्टर संगठन लटोरी की पीआरपी उषा यादव द्वारा कथित रूप से तेजस्वी महिला कलस्टर संगठन लटोरी के अध्यक्ष पूजा राजवाड़े व कोषाध्यक्ष जरीना सुल्ताना का फर्जी हस्ताक्षर कर चेक क्रमांक 583711 पर 636348 रुपए आहरित कर लिया गया है। उक्त फर्जीवाड़े की जानकारी बैंक स्टेटमेंट का ऑडिट कराए जाने के बाद हुई थी। साथ ही पीआरपी उषा यादव पर महिला सदस्यों ने यह भी आरोप लगाया है कि पद का दुरुपयोग करते हुए पीआरपी द्वारा कलस्टर की अधिकांश महिला सदस्यों को गुमराह करके सपोर्ट इंडिया नाम की एक निजी कंपनी से जोड़कर करोड़ों रुपए जमा कराकर फर्जीवाड़ा किया गया है।

महिला सदस्यों का आरोप यह भी था कि पीआरपी उषा यादव द्वारा अपने पद का दुरुपयोग कर महिलाओं को मोटी रकम दिलाने का झांसा देकर ऐसा कृत्य कराया गया है। कथित फर्जीवाड़े को लेकर आज छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन द्वारा 20 नवंबर को पीआरपी द्वारा फर्जी हस्ताक्षर कर चेक से निकाला गया छह लाख रुपए नामक शीर्षक की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। मामले में सुरजपुर जिला पंचायत सीईओ द्वारा जांच टीम गठित कर दी गई है। जांच टीम में सुरजपुर जनपद सीईओ विनोद सिंह, जिला पंचायत के प्रभारी जिला मिशन प्रबंधक मनीष सिन्हा व जनपद पंचायत सुरजपुर की विकासखण्ड परियोजना प्रबंधक श्रीमती माधुरी पाण्डेय को शामिल किया गया है। जांच टीम को सप्ताह भर में जांच रिपोर्ट को जिला पंचायत कार्यालय में जमा किए जाने का निर्देश दिया गया है। ज्ञात हो कि तेजस्वी महिला कलस्टर संगठन लटोरी अंतर्गत 28 पंचायत के 780 महिला समूहों का संचालन किया जा रहा है।

कालरी कर्मी ने जहर सेवन करके दी अपनी जान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर के फिल्टर प्लांट में कार्यरत कॉलरी कर्मी ग्राम पंचायत कुंजनगर निवासी एक युवक ने अज्ञात कारणों से कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया था। कालरी कर्मी की उपचार के दौरान अंबिकापुर के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई है। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत कुंजनगर निवासी 40 वर्षीय दीपक राजवाड़े पिता स्व.जानकी राजवाड़े

एसईसीएल बिश्रामपुर के फिल्टर प्लांट में कार्यरत है। कालरी कर्मी दीपक राजवाड़े ने सोमवार को अज्ञात कारणों से कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया था। जिसे आनन फानन में परिजन द्वारा उपचार हेतु केंद्रीय चिकित्सालय बिश्रामपुर ले जाया गया था, जहां से चिकित्सकों द्वारा उसे अंबिकापुर के एक निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया था। उपचार के दौरान मंगलवार को कालरी कर्मी की मौत हो गई है।

डीएसपी, सीएसपी समेत चार लोगों के घर के बाहर किया नोटिस चस्पा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल क्वार्टर में अवैध रूप से काबिज जिले के पुलिस अधिकारियों को एसईसीएल प्रबंधन ने नोटिस जारी कर अवैध कब्जा खाली करने कहा है।

क्षेत्रीय सुरक्षा विभाग के कर्मचारियों ने आज एसईसीएल बिश्रामपुर के टूए कॉलोनी के क्वार्टर नंबर 7 में रहने वाली उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सूरजपुर महालक्ष्मी कुलदीप, टूए कालोनी क्वार्टर नंबर 8 में काबिज नगर पुलिस अधीक्षक एसएस पैकरा, जिले के पूर्व पुलिस अधिकारी के टूए कालोनी क्वार्टर नंबर 34 और 37 में काबिज पुलिस अधिकारियों को नोटिस जारी कर कब्जा खाली कर आवास को प्रबंधन को सौंपने को कहा

गया है। पुलिस अधिकारियों को जारी नोटिस में प्रबंधन ने उल्लेख किया है कि आपके द्वारा एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के स्वामित्व आधिपत्य की निर्मित आवास को कब्जा कर रखा गया है, जिससे आपको सलाह दिया जाता है कि उक्त अवैध कब्जे रखे गए आवास को तत्काल खाली कर प्रबंधन को रिक्त हालत में सुपुर्द कर दें। उपरोक्त कार्यवाही की जानकारी से अंकेक्षण समिति एवं न्यायालय को अवगत कराया जाना है। ज्ञात हो कि पखवाड़े भर पूर्व भी प्रबंधन ने ऐसे ही दर्जन भर कंपनी के सेवानिवृत्त अधिकारियों कर्मचारियों को जो अवैध रूप से सेवानिवृत्ति के बाद भी क्वार्टर में कब्जा कर रखे थे, उन्हें भी नोटिस जारी कर क्वार्टर खाली करने के निर्देश दिए गए थे।

खलिहान में रखे पैरा व धान में अज्ञात कारणों से लगी आग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। खलिहान में रखे पैरा व धान आज दोपहर आगजनी में जलकर खाक हो

गए हैं। फायर ब्रिगेड के पहुंचने तक किसान का काफी नुकसान हो चुका था। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत सतपता चिटकीपारा निवासी भोला सिंह के खलिहान में रखे हुए पूरा व धान में बुधवार की दोपहर अचानक आग लग गई। आग लगने उपरांत यहां पर अफरा तफरी की स्थिति निर्मित हो गई थी। सूचना मिलते ही बिश्रामपुर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच नगर सेना के फायर ब्रिगेड सुरजपुर को तत्काल सूचना देकर बुलवाया गया। हालांकि फायर ब्रिगेड के आने तक पैरा व धान जलकर खाक हो गए थे। घंटेभर की मशक्कत उपरांत आग पर काबू पाया जा सका। आगजनी की घटना शॉर्ट सर्किट से लगने या शरारती तत्वों द्वारा आग लगाए जाने की बात कही जा रही है। हालांकि फिलहाल स्थिति देर शाम तक स्पष्ट नहीं हो सकी है।

भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। बलरामपुर जिला मुख्यालय के मिशन चौक से मिशन रोड की ओर भारी वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अनुविभागीय अधिकारी बलरामपुर ने जानकारी दी है कि यह प्रतिबंध आमजनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लगाया गया है, जो प्रातः 07:00 बजे से रात्रि 09:00 बजे तक लागू होगा।

यह प्रतिबंध स्थानीय लोगों की सुरक्षा और सुविधा के लिए लगाया गया है, ताकि भारी वाहनों के कारण होने वाली परेशानियों से बचा जा सके। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

बस्तामुक्त विद्यालय रुनियाडीह में बच्चों को दिए गए स्वेटर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रथम बस्तामुक्त विद्यालय शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में स्वेटर वितरण कार्यक्रम सुरजपुर बीईओ भानुप्रताप चंद्राकर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गई।विशिष्ट अतिथि के रूप में जयराम प्रसाद सूरजपुर विकासखंड परियोजना अधिकारी उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम, विजेंद्रलाल जायसवाल समन्वयक संकुल केंद्र रामनगर, श्रीमती कैलाशो उपाध्यक्ष शाला प्रबंधन एवं विकास समिति रुनियाडीह रहे। संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी ने बताया कि विश्रामपुर के समाजसेवी गुरमीत सिंह बग्गा के सौजन्य से 28 नग डार्क ब्लू स्वेटर प्राप्त कर विद्यालय का मोनो लगाकर बच्चों को प्रदान की गई। ऐसा करने से बच्चों के मन से प्राइवेट स्कूल में पढ़ ना पाने का मलाल को दूर किया जाता है। क्षेत्र में पड़ रहे तेज ठंड से बचने, बच्चों को सर्दी जुकाम से बचाने ताकि वे विद्यालय रोज आ सकें, इसीलिए स्वेटर वितरण किया गया।

अतिथियों का स्वागत संस्था के बाल कैबिनेट प्रधानमंत्री अजय विश्वकर्मा व उप प्रधानमंत्री देव सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सांस्कृतिक मंत्री रजवंती राजवाड़े तथा निकिता विश्वकर्मा के सहयोग से किया गया। बीईओ भानुप्रताप चंद्राकर द्वारा अपने उद्बोधन में समाज के सहयोग से प्राप्त स्वेटर का वितरण प्राइवेट स्कूल के तर्ज पर मोनो लगाकर करने को सराहनीय बताते हुए इसे अन्य विद्यालयों हेतु अनुकरणीय बताया। साथ ही उपस्थित बच्चों को ठंड से बचने के लिए इसे प्रतिदिन पहनकर विद्यालय में आने एवं मन लगाकर पढ़ने हेतु प्रेरित किया गया। जयराम प्रसाद द्वारा अपने उद्बोधन में उपस्थित बच्चों को घर तथा समाज के असाक्षर जिनकी उम्र 15 वर्ष से 100 साल के बीच है, को अक्षर ज्ञान एवं गणितीय कौशल को बताते हुए बुनियादी जरूरत को पूरा करने में सहयोग करने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के शिक्षक रिजवान अंसारी, पूनम गुप्ता समेत सुमित्रा राजवाड़े, नान दईया तथा बाल कैबिनेट के मंत्री रिंकी राजवाड़े, सुनीता, कलावती, चित्रकुमारी, दीपक राजवाड़े, योगेश सिंह, रुप, शिवम विश्वकर्मा व टिकेश्वरी राजवाड़े सक्रिय रहे।

दर्जन भर धान खरीदी केंद्र प्रभारी की हुई नवीन पदस्थापना

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी केंद्रों में दर्जनभर कर्मचारियों का तबादला आदेश जारी कर नए दायित्व सौंपे गए हैं। गौरतलब है कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य शासन के मंशानुरूप 14 नवंबर से शुरू कर दिया गया है।

धान खरीदी कार्य में पारदर्शिता लाने व नियमानुसार कार्य को संपन्न कराए जाने हेतु सुरजपुर जिले के सहायक आयुक्त सहकारिता द्वारा 19 नवंबर को एक आदेश जारी करके जयनगर समिति में कमल सिंह को धान खरीदी प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसी तरह प्रकाश राम जयनगर से केशवनगर, सुनील राजवाड़े को मानी से महंगई समेत दर्जनभर लोगों को नए स्थान पर पदस्थ करके धान खरीदी प्रभारी नियुक्त किया गया है।

अंततः विवादित खंड चिकित्सा अधिकारी को हटाया गया

जारी आदेश के बाद स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ में हर्ष

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के विवादित खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ.हेमंत दीक्षित को हटाते हुए।

डॉ.महेश प्रसाद गुप्ता कि पोस्टिंग की गई है। उक्त आदेश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बलरामपुर के द्वारा जारी कि गई हैं आदेश जारी होते ही पूरे विभाग के कर्मचारियों में हर्ष का माहौल व्याप्त है। गौर तलब है कि 100 बिस्तरीय अस्पताल रामानुजगंज में 13 नवम्बर 2024 को स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ ब्लॉक इकाई रामानुजगंज के समस्त कर्मचारियों एवं अधिकारियों के द्वारा खंड चिकित्सा अधिकारी रामानुजगंज को हटाने के लिए अनिश्चित कालिन आंदोलन हड़ताल किया गया था जिसमें मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा सात दिवस के भीतर कार्यवाही करने के ठोस आसवन के पश्चात हड़ताल स्थगित किया गया था और इसी तारतम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला बलरामपुर रामानुजगंज कार्यालय से डॉ. महेश प्रसाद गुप्ता को खंड चिकित्सा अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके बाद से

रामानुजगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का मामला

महिला ने फर्जी शिकायत करने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध की कलेक्टर से कार्यवाही की मांग

सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हर्ष का माहौल व्याप्त है। इससे पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कैलाश केतर्व खंड चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदस्थ थे और उनके कार्यकाल में कोई भी वाद विवाद आज तक नहीं हुआ था उनके ट्रांसफर पश्चात जब से डॉ.हेमंत दीक्षित खंड चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदस्थ हुए तब से कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार सहित कई मामले सामने आने के बाद मजबूर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इनके खिलाफ अनिश्चितकाल मोर्चा खोल दिया था अंततः कर्मचारियों की जीत हुई और विवादित डॉक्टर को हटाया गया। स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष हेमंत कुमार महंत ने कहा कि अब सभी कर्मचारी निर्विवाद रूप से एवं शांतिपूर्ण माहौल में कार्य कर सकेंगे।

स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ का यह था आरोप

100 बिस्तरीय अस्पताल रामानुजगंज में प्रभारी खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ.हेमंत दीक्षित के द्वारा कर्मचारियों एवं अधिकारियों को मानसिक एवं आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था जैसे कि जबरन आकस्मिक अवकाश काटना,वेतन काटना, अनुबंध डॉक्टर का सेवा अवधि बढ़ाना,बिना कारण कर्मचारियों को संलग्नीकरण करना,कर्मचारियों का सी आर खराब करने की धमकी देना एवं कर्मचारियों के साथ बतमीजी से बात करने जैसी कई समस्याओं को लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के पास कई बार गुहार लगाने के बाद भी किसी प्रकार का न्याय नहीं मिलने से कर्मचारी एवं अधिकारी परेशान होकर 13 नवंबर 20 24 को स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ ब्लॉक इकाई रामानुजगंज के समस्त कर्मचारियों अधिकारियों द्वारा खंड चिकित्सा अधिकारी रामानुजगंज को हटाने के लिए अनिश्चित कालिन आंदोलन हड़ताल किया गया था।

नायब तहसीलदार के साथ हुए अभद्रता को लेकर कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

अंबिकापुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। नायब तहसीलदार सह कार्यपालिक दंडाधिकारी के साथ थाना प्रभारी द्वारा किये गए अभद्रता से नाराज छग कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।सौंपे गए ज्ञापन में उन्होंने घटना की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी स्तर के अधिकारी से जांच कराने की मांग की है। उक्त मामला न्यायधानी बिलासपुर की है।जहाँ बस्तर जिले के करपावंड में पदस्थ नायब तहसीलदार पुष्पराज मिश्रा के साथ पुलिस द्वारा अभद्रता की गई है।उनके साथ सरकंडा थाना प्रभारी तोपसिंग नवरंग एवं उनके अधीनस्थ पुलिसकर्मियों द्वारा अमर्यादित व्यवहार किया गया है।थाना परिसर में नायब तहसीलदार के साथ गाली गलौज मानसिक उत्पीड़न झूठे केस में फंसाने की धमकी एवं उनके परिजनों के साथ दुर्व्यवहार किया गया है।जिससे छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ काफी नाराज है।उन्होंने इस संबंध में चार सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है।जिसमे उन्होंने इस मामले की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी स्तर के वरिष्ठ

अधिकारी से कराई जाए।दोषी थाना प्रभारी एवं उनके अधीनस्थ पुलिसकर्मियों के विरुद्ध सख्त प्रशासनिक कार्यवाही की जाए।इसके अलावा इस घटना के संबंध में समयबद्ध कार्रवाई समेत ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी के बीच बेहतर समन्वय एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाए।ज्ञापन सौंपने के दौरान छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ अंबिकापुर एवं सीतापुर के पदाधिकारी एवं नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

जयनगर सहकारी समिति के देवधन मनोनीत किए गए प्राधिकृत अधिकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। करीब ग्यारह महीने बाद जयनगर सहकारी समिति में प्राधिकृत अधिकारी देवधन राम बिंझिया को नियुक्त किया गया है।

गौरतलब है कि सहकारी समिति जयनगर में पूर्व कांग्रेस शासनकाल में जुगेंद्र सिंह को संचालक मंडल का प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त किया गया था। इसके पश्चात प्रदेश में सत्ता परिवर्तन उपरांत उक्त संचालक मंडल को 15 दिसंबर 2023 को विष्णुदेव सरकार द्वारा भंग कर दिया गया था। उसी समय से जयनगर में संचालक मंडल का प्राधिकृत अधिकारी का कार्य प्रभारी के भरोसे संचालित किया जा रहा था। इसके बाद अब गत दिनों सहकारी संस्थाएं सुरजपुर के सहायक पंजीयक बीआर पैकरा द्वारा जयनगर सहकारी समिति के संचालक मंडल का प्राधिकृत अधिकारी देवधन राम बिंझिया को मनोनीत किया गया है।

कलेक्टर श्री भोसकर की संवेदनशील पहल पर जिले में होंगे रक्तदान शिविर

पहला शिविर 21 नवम्बर को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित नवीन कम्पोजिट भवन में

जनकल्याण की दिशा में अपना योगदान देने कलेक्टर ने की रक्तदान की अपील

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर / कलेक्टर श्री विलास भोस्कर द्वारा गत मंगलवार को आयोजित समयसीमा की बैठक में जिले में रक्तदान शिविर किए जाने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने पत्र जारी कर कहा है कि राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबंद्ध चिकित्सालय, अम्बिकापुर में सम्पूर्ण सरगुजा संभाग के अन्तर्गत गंभीर स्थिति अथवा विभिन्न रोगों से पीड़ित मरीज आते हैं जिन्हें जीवन रक्षक के रूप में ब्लड सेन्टर से ही निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जाता है। ब्लड सेन्टर में आवश्यक रक्त की उपलब्धता बनी रहे, इसके लिए जिले में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाना जरूरी है। कलेक्टर श्री भोस्कर की संवेदनशील पहल पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाने के रोस्टर के अनुसार 21 नवम्बर 2024 को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित नवीन कम्पोजिट भवन (एनेक्स बिल्डिंग) में पहला रक्तदान शिविर आयोजित किया जायेगा। इसी तरह 23 नवम्बर को नगर सेना अम्बिकापुर, 26 नवम्बर को विकासखण्ड बतौली, 27 नवम्बर को विकासखण्ड अम्बिकापुर, 28 नवम्बर को विकासखण्ड मैनपाट, 02 दिसम्बर को पी.जी. कॉलेज अम्बिकापुर, 04 दिसम्बर को कार्यालय नगर निगम अम्बिकापुर, 06 दिसम्बर को विकासखण्ड लुण्ड्रा, 07 दिसम्बर को श्री सांई बाबा आदर्श महाविद्यालय, 09 दिसम्बर को जनपद पंचायत उदयपुर, 12 दिसम्बर को हॉली क्रास महाविद्यालय, और मंजूषा एकेडमी अम्बिकापुर, 13 दिसम्बर को लाईवलीहुड कॉलेज अम्बिकापुर में शिविर आयोजित किया जायेगा। इसी तरह 05 जनवरी 2025 को सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय अम्बिकापुर एवं 12 जनवरी 2025 को पॉलीटेक्निक कॉलेज अम्बिकापुर में शिविर आयोजित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर श्री भोसकर ने संबंधित अधिकारियों को उक्त तिथियों पर शिविर अनुसार अपने अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारी, छात्र, स्वेच्छिक रक्तदाता समूह के व्यक्तियों को उनकी स्वेच्छा से रक्त दान कराने हेतु निर्देशित किया है जिससे आदिवासी बहुल जनमानस को आपतकाल में रक्त की आपूर्ति चिकित्सालय के माध्यम से की जा सके।

किसान धान खरीदी केन्द्रों में माइक्रो एटीएम से निकाल सकेंगे 10 हजार रूपए तक की राशि

अम्बिकापुर/ छत्तीसगढ़ में 14 नवंबर से धान खरीदी का कार्य जारी है। धान बेचने पहुंचे किसान अब धान खरीदी केंद्रों के माइक्रो एटीएम से दो हजार रूपए से लेकर दस हजार रूपए तक की राशि निकाल सकते हैं। संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर प्रदेश के किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 10 हजार रूपए तक की राशि माइक्रो एटीएम से तुरन्त प्रदान किए जाने की सुविधा प्रदान की गई है। माइक्रो एटीएम से तत्काल धनराशि प्राप्त होने की सुविधा मिलने से किसान को अब धान उपार्जन केंद्र तक धान परिवहन अथवा किराए पर लिए गए ट्रैक्टर आदि का भाड़ा के लिए न ही किसी से राशि उधार लेने की जरूरत पड़ेगी और न ही बैंक का चक्कर लगाना होगा।

क्या सरगुजा अंचल को विकास से दूर रखने की साजिश हो रही है ?

उन्नत सरगुजा, उज्ज्वल हसदेव तब होगा जब सरगुजा में उद्योग होगा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर/ लगभग डेढ़ दशक पहले तक पूरे सरगुजा क्षेत्र को ऐसा टापू समझा जाता था जहाँ यदि किसी अधिकारी कर्मचारी को ट्रांसफर में भेजा जाता तो उसे सजा के रूप में देखा जाता था। न रोड की हालत अच्छी, न ट्रेन की कनेक्टिविटी, न बेहतर शिक्षा, न बेहतर स्वास्थ्य सुविधा। गंभीर दुर्घटनाओं या बीमारियों में तो रायपुर या बिलासपुर के बड़े अस्पतालों तक सुरक्षित पहुंच पाना ही एक समय चुनौती थी। सरगुजा के सुंदर सुरम्य वातावरण में रहकर भी लोग आधारभूत विकास को तरस रहे थे। कहने का आशय है कि जगह कितनी भी खूबसूरत हो, वातावरण कितना भी शुद्ध हो वहां इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के साथ सुव्यवस्थित मार्केट का होना अत्यंत आवश्यक है। बिजली, पानी, सड़क तथा बेहतर स्वास्थ्य एवं बेहतर शिक्षा के साथ साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी जरूरी है। सरगुजा क्षेत्र के विकास के लिए यहां बड़े उद्योग लगें इसकी मांग लंबे समय से की जाती रही है पर कुछ विकास विरोधी एजेंडे चलाने वाले तत्वों के कारण सरगुजा को विकास के नाम पर हमेशा से छलने का काम किया गया। सूत्र बताते हैं कि दशकों पहले सरगुजा में लगने वाला बाल्को एल्युमीनियम प्लांट विकास विरोधी एजेंडे के कारण कोरबा शिफ्ट कर दिया गया। इफको पावर प्लांट का सरगुजा में लगने से पहले ही इतना विरोध किया गया कि इफको कंपनी ने पूरे छत्तीसगढ़ को ही उद्योग के लिए बेकार बताकर छोड़ दिया। चिरगा तथा परसा में चल रहे एल्युमीनियम तथा कोल उद्योगों को भी ये अराजक तत्व लगातार अपना निशाना बना रहे हैं। आश्चर्य की बात है कि यह सब सरगुजा की आदिवासी संस्कृति को बचाने के नाम पर किया जा रहा है। क्या आदिवासी भाई बहनों को सिर्फ इसलिए जंगल में रखा जाए ताकि उनकी संस्कृति व परंपराओं की रक्षा हो सके ? यह तर्क गले नहीं उतरता। भारत के संविधान ने जब सुदूर गांव जंगलों में रहने वाले आदिवासियों को अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए उतने ही अधिकार दिए हैं जितना शहर के निवासियों को फिर क्यूँ कुछ लोग आदिवासी वर्ग को विकास की मुख्य धारा से दूर रखना चाहते हैं ? क्या सरगुजा अंचल को विकास से दूर रखने की साजिश हो रही है ? यदि इतिहास पर नजर डालें तो दुर्भाग्य से अब तक यही होता आया है। वास्तव में उन्नत सरगुजा, उज्ज्वल हसदेव तब होगा जब सरगुजा में उद्योग होगा। अगर हम चाहते हैं कि सरगुजा आगे बढ़े और समृद्ध हो तो हमारे प्रदेश मे रोजगार सृजन अनिवार्य है। इसके लिए हमें पारंपरिक कृषि और व्यापारिक गतिविधियों से परे सोचना होगा। हमें कुछ ऐसे उद्योगों की जरूरत है जो महत्वपूर्ण निवेश लाएँ ताकि मध्यम और लघु उद्योग इकाइयों को बढ़ने के लिए सहारा मिले ताकि स्थानीय रोजगार के विकास को जोर मिले। हमें सुनिश्चित करना होगा कि मौजूदा और भविष्य की औद्योगिक गतिविधियों को बिना किसी बाधा और शांति से संचालित होने दिया जाएगा, तभी उन्नत सरगुजा एवं उज्जवल हसदेव का निर्माण हो सकेगा। पिछले कुछ वर्षों में हमने देखा है कि राजधानी रायपुर में स्थित कुछ तत्व एनजीओ मंच का दुरुपयोग कर रहे हैं और सरगुजा के विकास का राजनीतिकरण कर रहे हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम सरगुजा को उन्नत बनाना चाहते हैं ताकि हसदेव उज्जवल व अखंड हो सके। मैं जिम्मेदार औद्योगीकरण के माध्यम से विकास का समर्थन करता हूँ तथा उम्मीद करता हूँ कि सरगुजा के लोग भी विकास विरोधी एजेंडा चलाने वालों का विरोध कर उन्हें सबक सिखाएँगे।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की हुई समीक्षा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर /उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की समीक्षा हेतु गत 20 नवम्बर को जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण के कार्यालय में कलेक्टर श्री विलास भोसकर के निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री नूतन कुमार कंवर के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला परियोजना अधिकारी श्री गिरीश गुप्ता की उपस्थिति में समस्त विकासखण्ड परियोजना अधिकारी एवं साक्षरता अमले से बिंदुवार 10 एजेंडों पर चर्चा की गई। बैठक में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत सरगुजा जिले में अब तक संचालित साक्षरता केन्द्रों पर जानकारी ली गई और अप्रारंभ केन्द्रों को जल्द से जल्द प्रारंभ कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक में स्वयंसेवी शिक्षकों के प्रशिक्षण, वर्तमान में अध्ययनरत शिक्षार्थियों की जानकारी लेने, उल्लास प्रगति प्रतिवेदन को सही तरीके से भरकर प्रत्येक गुरुवार को जिला कार्यालय में प्रेषित करने सहित दिशा-निर्देश दिए गए। अब तक की स्थिति पर चर्चा करते हुए जिला परियोजना अधिकारी श्री गुप्ता ने कहा कि हम साक्षरता से जुड़े हैं। यह हमारा ही दायित्व है कि हम इसे शत प्रतिशत सफल बनाएं। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु यह आवश्यक है कि समय-समय पर ब्लॉक स्तरीय बैठक आयोजित की जाए जिसमें जिला स्तर के अधिकारी भी सम्मिलित होंगे। इसके साथ ही ग्राम प्रभारी की भी बैठक ब्लाक स्तर एवं जिला स्तर पर ली जाए। प्रत्येक केंद्र में बैनर प्रवेशिका इत्यादि की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जिन साक्षरता केन्द्रों को अभी भी नियमित रूप से आरंभ नहीं किया जा सका है, उन्हें विशेष रूप से ध्यान देकर नियमित संचालन किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कार्य करने वाले वॉलिंटियर्स को पूर्व में कार्यरत सफल प्रेरकों का उदाहरण देकर मोटिवेट किया जाए। ग्राम में जाकर चौपाल लगाई जाए जिसमें ग्राम प्रभारी शिक्षक, जनमानस, वॉलिंटियर्स शिक्षार्थी सभी सम्मिलित रहे इससे न केवल शिक्षार्थियों को मोटिवेशन मिलेगा बल्कि वॉलिंटियर्स भी प्रेरित होंगे। यह ध्यान रखा जाए कि केंद्र में सिर्फ पढ़ाई के विषय में बात ना हो बल्कि अन्य विषयों पर चर्चा कर उसे रुचिकर बनाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक साक्षरता केंद्र में उल्लास साक्षरता केंद्र प्रभारी बनाए जाएंगे। जो कि शिक्षक, मितानिन, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका इत्यादि हो सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि सभी ब्लॉक में दो-दो मॉडल केंद्र बनेंगे जहां नवाचारी गतिविधियां आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अन्य विभागों के साथ भी संपर्क स्थापित किया जाए। सरगुजा जिले को उल्लास कार्यक्रम हेतु राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना हमारा प्रयास है। बैठक में बीपीओ श्री सम्पूरन राय, अरविंद गुप्ता, अरुण कुमार गुप्ता, उमेष गुप्ता, प्रेम कुमार गुप्ता, कमलेष वर्मा, अंजनी कुमार मिश्रा, श्री सत्यनारायण भगत, अरुण कुमार रॉय, सुजीत कुमार जायसवाल, बीपीओ शहरी श्रीमती इंदू मिश्रा, कार्यालय सहायक पी.के.महापात्र, मनोज कुमार, अभिलाष खरे, रजनीष मिश्रा, किरण खलखो, महिमा तिर्की, बरियो मिंज, मीनू तिकी, दुर्गावती उपस्थित रहे।

CGPSC घोटाला: CBI बढ़ाएगी जांच का दायरा, रसूखदारों के बीच खलबली

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित पीएससी (छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग) भर्ती घोटाले में सीबीआई (केंद्रीय जांच ब्यूरो) ने पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी और बजरंग इस्पात के डायरेक्टर को गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्रवाई के बाद रसूखदारों के बीच खलबली मच गई है। संकेत मिल रहे हैं कि जांच का दायरा बढ़ने पर सीबीआई जल्द ही एक आईपीएस और एक रिटायर्ड आईएएस अधिकारी को भी हिरासत में ले सकती है।

सीबीआई जांच : भाजपा की जनहित याचिका से शुरू हुआ मामला

सीजीपीएससी 2021-22 भर्ती में गड़बड़ियों का मामला तब प्रकाश में आया, जब पूर्व गृह मंत्री और भाजपा नेता ननकी राम कंवर ने हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की। हाई कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए पीएससी और राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए छत्तीसगढ़ की युवाओं को न्याय दिलाने और घोटाले की सीबीआई जांच कराने का वादा किया था। सत्ता में आने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस वादे को पूरा करते हुए राज्य में प्रतिबंधित सीबीआई को इस घोटाले की जांच का जिम्मा सौंपा।

जांच के पहले चरण में दो गिरफ्तार, और नाम आने की संभावना

सीबीआई ने अपनी शुरूआती जांच में पीएससी के पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी और उद्योगपति बजरंग गोयल को गिरफ्तार किया है। अब चर्चा है कि जल्द ही एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और पुलिस अफसर को भी गिरफ्त में लिया जा सकता है।

सीबीआई की जांच की तेजी ने प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में हड़कंप मचा दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में कुछ और चौंकाने वाले नाम सामने आ सकते हैं।

हाई कोर्ट की फटकार और गड़बड़ियों की पुष्टि

हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि अगर याचिका में लगाए गए आरोप और प्रस्तुत सूची सही हैं, तो यह गंभीर मामला है। कोर्ट ने संकेत दिए थे कि अफसरों के बच्चों के चयन में गड़बड़ी हुई है।

पहली परीक्षा की जितनी चर्चा, उससे भी इस मामले की हो रही

छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग के गठन और उसके बाद अब तक जितनी भी परीक्षाएं सीजीपीएससी ने आयोजित की अमूमन सभी विवादों के घेरे में रहा है। सभी परीक्षाओं के बाद भर्ती का मामला हाई कोर्ट पहुंचा। सबसे ज्यादा चर्चित वर्ष 2003 में आयोजित पहली परीक्षा रही। मौजूदा दौर में वर्ष 2021-22 में आयोजित परीक्षा में तो भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों की सीमाएं ही लांघ दी है। छत्तीसगढ़ के युवाओं का भरोसा ही सीजीपीएससी के अफसरों ने तोड़ दिया है।

ये है वो नाम, जिसे लेकर मचा है बवाल

0 नितेश, डिप्टी कलेक्टर, पीएससी के अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी का पुत्र, सरनेम छिपाया गया

0 साहिल, डीएसपी, पीएससी के अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी के बड़े भाई का पुत्र, सरनेम छिपाया गया

0 निशा कोशले, डिप्टी कलेक्टर, पीएससी के अध्यक्ष टामन सिंह के पुत्र नितेश की पत्नी

0 दीपा अजगले/आदिल जिला आबकारी अधिकारी, पीएससी के अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी के भाई की बहू

0 सुनीता जोशी, लेबर आफिसर, पीएससी के अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी की बहन की पुत्री

0 सुमित ध्रुव, डिप्टी कलेक्टर, लोक सेवा आयोग के सचिव अमृत खलखो का पुत्र

0 नेहा खलखो, डिप्टी कलेक्टर, लोक सेवा आयोग के सचिव अमृत खलखो की पुत्री

0 निखिल खलखो, डिप्टी कलेक्टर, लोक सेवा आयोग के सचिव अमृत खलखो का पुत्र

0 साक्षी ध्रुव, डिप्टी कलेक्टर, बस्तर नक्सल आपरेशन के डीआइजी ध्रुव की पुत्री

0 प्रज्ञा नायक, डिप्टी कलेक्टर कांग्रेस नेता के ओएसडी के रिश्तेदार की पुत्री

0 प्रखर नायक, डिप्टी कलेक्टर, कांग्रेस नेता के ओएसडी के रिश्तेदार का पुत्र

0 अन्यया अग्रवाल, डिप्टी कलेक्टर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता की पुत्री

0 शशांक गोयल, डिप्टी कलेक्टर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुधीर कटियार का दामाद

0 भूमिका कटियार, डिप्टी कलेक्टर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुधीर कटियार की पुत्री।

0 खुशबू बिजौरा, डिप्टी कलेक्टर, कांग्रेस नेता के ओएसडी के साढू भाई की पुत्री।

0 स्वर्णिम शुक्ला, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग, कांग्रेस नेता राजेंद्र शुक्ला का पुत्र

0 राजेंद्र कुमार कौशिक, डिप्टी कलेक्टर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता का पुत्र

भ्रष्टाचार ने युवाओं का भरोसा तोड़ा

छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग पर पहले भी विवाद के आरोप लगते रहे हैं, लेकिन 2021-22 की भर्ती में गड़बड़ियों ने सभी हदें पार कर दीं। परीक्षाओं में चयनित उम्मीदवारों की सूची में अफसरों और रसूखदारों के परिवार के सदस्यों के नाम ने युवाओं का भरोसा तोड़ दिया है। छत्तीसगढ़ के युवाओं और जनता को अब सीबीआई की आगे की कार्रवाई का इंतजार है।

सफलता की कहानी : मनरेगा के तहत कूप निर्माण से मिली सिंचाई की सुविधा

अब धान के अलावा गेंहू, आलू, अरहर और मकई की फसल का लाभ भी ले पा रहे किसान राममिलन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर / जिले के विकासखण्ड बतौली के ग्राम पंचायत मंगारी निवासी राममिलन वर्तमान में दोहरी फसल का लाभ ले पा रहे हैं और इसकी वजह है महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना। हितग्राही राममिलन द्वारा अपनी निजी भूमि पर मनरेगा से कुआं निर्माण कराया गया है। वे बताते हैं कि कूप निर्माण के बाद सिंचाई सुविधा मिलने से अब बारिश के पानी पर निर्भरता कम हो गई है, साथ ही फसल या सब्जियों की पैदावार के लिए साल भर पानी भी आसानी से अपने ही कुएं से मिलने लगा है। दैनिक कार्यों एवं सिंचाई में पानी की जरूरतें पूरी हो रही हैं। वे अपना अनुभव साझा करते हुए बताते हैं कि महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत हितग्राही मूलक कार्यों में कुआं निर्माण हेतु उन्होंने ग्राम पंचायत को आवेदन दिया था जिस पर ग्राम के तकनीकी सहायक द्वारा तकनीकी प्राक्कलन तैयार कर जनपद से जिले को भेजा गया और फिर वहां से कुएं के निर्माण के लिए उन्हें 2.99 लाख रुपए की राशि की स्वीकृति प्राप्त हुई। कुएं के निर्माण में कार्यक्रम अधिकारी संतोषी पैंकरा एवं तकनीकी सहायक शशांक सिंह का पूरा मार्गदर्शन और सहयोग मिला जिससे जल्दी ही कुएं का निर्माण कार्य पूरा हुआ। मनरेगा योजना से, जहां राममिलन को उनका आवश्यकता अनुरूप कुएं

की सुविधा मिली, वहीं इस निर्माण कार्य से 600 मानव दिवस अर्जित हुए और मनरेगा श्रमिकों को भी रोजगार मिला।

राममिलन के पास 04 एकड़ जमीन जोकि असिंचित थी, अब सिंचाई का साधन कुआं मिलने से उपयोग में आने लगी है। वर्तमान में उनके द्वारा खेती कर अच्छी आय प्राप्त की जा रही है। वे बताते हैं कि उनको अब धान का थरहा खरीदना नहीं पड़ता, पानी की सुविधा के कारण समय से धान लगाते हैं। इससे पूर्व में गेंहू की खेती नहीं कर पाते थे। वर्तमान में गेंहू की खेती के साथ आलू, अरहर, एवं मकई आदि की खेती भी कर पा रहे हैं। शासन की योजना और प्रशासन की टीम के सहयोग से हुई सहूलियत के लिए राममिलन छत्तीसगढ़ शासन और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

ग्राम लोशगा में आयोजित आदिवासी करमा तिहार में लुण्ड्रा विधायक हुए शामिल प्राकृतिक खेती के लिए लोगों को किया प्रेरित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनपुर , सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड के ग्राम लोशगा में बुधवार की दोपहर आदिवासी देसी खेती संगठन (प्राकृतिक खेती) द्वारा आदिवासी करमा तिहार का आयोजन किया गया था। मुख्य अतिथि के तौर पर लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, विधायक प्रतिनिधि राकेश साहू, मंडल महामंत्री विक्रम सिंह, फादर आई जैक कुजूर, अजय बरवा प्रवीण यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा महामानव बिसरा मुंडा जी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विधायक ने करमा तिहार को लेकर उपवास रखी युवतियों और ग्राम बैगा को शाल साड़ी देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आदिवासी संस्कृति को बचाना और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना है। करमा तिहार कार्यक्रम में 40 गांव के लोग आमंत्रित थे ।जिसमें आदिवासी समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए वहीं विभिन्न गांव से करमा दलों द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इस दौरान विधायक प्रबोध मिंज करमा दलों के साथ मांदर की थाप पर थिरकते नजर आए। आदिवासी देसी खेती संगठन(प्राकृतिक खेती) द्वारा स्टॉल में प्राकृतिक कंदमूल, टोकरी, दोना, आदिवासी जेवर ,कोदो, कुटकी धान तिलहन अन्य सामान था। विधायक ने स्टाल का निरीक्षण कर कार्यक्रम को लेकर सराहना करते हुए करमा तिहार को लेकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस दौरान दर्जनों ग्राम सरपंचो ने शादी विवाह व कार्यक्रमों के लिए सामुदायिक भवन की मांग की गई ।जिस पर मंच से ही प्रबोध मिंज ने सामुदायिक भवन बनाने की घोषणा की है। इस कार्यक्रम में सरपंच पति हरीलाल लकड़ा सरपंच शांति लकड़ा ,मीणा सोनवानी, कृष्ण नाथ, जमुना प्रसाद प्रमोद सिंह, दिनेश तिर्की प्रमिला एक्का साहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद रहे।

सम्पादकीय

वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती बिल्कुल सही

प्रदूषण पर सख्ती दिखाकर सुप्रीम सुप्रीम कोर्ट बिल्कुल सही किया है। कोर्ट ने एनसीआर में ग्रैप-4 लागू होने के बाद इसके प्रतिबंधों को तुरंत लागू करने का आदेश देते हुए कहा कि अदालत से बिना पूछे इसे न हटाया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को पांच निर्देश भी जारी किए। दिल्ली, हरियाणा और यूपी राज्य सरकारें स्टेज 4 के प्रतिबंध तुरंत लगाएं और इनका सख्ती से पालन किया जाए। ये राज्य एक टीम बनाएं जो स्टेज 4 के लागू होने पर नजर रखे। अगर किसी प्रतिबंध का उल्लंघन किया जाता है, तो ऐसे केस सुलझाने के लिए मैकेनिज्म बनाया जाए। जब तक हम अगला आदेश नहीं देते, तब तक स्टेज 4 ग्रैप लागू रहना चाहिए, भले एक्यूआई 450 से नीचे आ जाए। 10वीं और 12वीं की कक्षाएं अभी भी लग रही हैं, एनसीआर में शामिल राज्य सरकारें तुरंत स्कूल बंद करने पर फैसला लें। असल में बीते कुछ दिनों से दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में प्रदूषण आपातकाल जैसे हालात हैं। दम घोंटू हवा के कारण जीवन कठिन हो गया है। दिल्ली, गुरुग्राम और फरीदाबाद में प्रदूषण के हालात ये हैं कि लोग घर से बाहर नहीं निकल पा रहे। अस्पतालों में सांस व स्किन के मरीजों की कतार लगातार लंबी होती जा रही है। वैसे तो पूरे देश की ही हालात खराब हो रहे हैं, लेकिन देश की राजधानी की स्थिति बद से बदतर है। देशभर में प्रदूषण के कारण बीते साल करीब 24 लाख भारतीयों ने दम तोड़ दिया, जिसमें से 16.7 लाख लोगों ने केवल वायु प्रदूषण के कारण अपनी जान गंवाई। यह आंकड़ा दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सबसे अधिक है। यह जानकारी लैंसेट के नए अध्ययन में सामने आई। वायु प्रदूषण के कारण होने वाली मौतों का आंकड़ा केवल भारत में 9.8 लाख है, वहीं 6.1 लाख लोग घर में वायु प्रदूषण की चपेट में आ गए। दुनियाभर की बात करें तो 2019 में 90 लाख लोगों की मौत हुई। यह दुनिया में होने वाली हर छठी मौत के बराबर है। लैंसेट के अनुसार, 90 लाख मौतों में से 66.7 लाख मौतें घरेलू और वातावरण में मौजूद वायु प्रदूषण के कारण हुईं। वहीं जल प्रदूषण से 13.6 लाख मौतें हुईं। इसके अलावा 9 लाख लोगों की मौत का कारण सीसे को माना गया। प्रोफेशन संबंधित प्रदूषण के संपर्क में आने से 8.7 लाख मौतें हुईं। साल 2000 में रासायनिक प्रदूषण से 90 हजार लोगों ने दम तोड़ दिया। 2015 में प्रदूषण के कारण इससे 17 लाख लोगों की मौतें हुई थीं। साल 2019 में इस तरह की मौत का आंकड़ा 18 लाख रहा। रिपोर्ट के प्रमुख लेखक रिचर्ड फुलर ने कहा कि प्रदूषण से सेहत पर पड़ रहे बुरे प्रभावों को लेकर वैश्विक स्तर पर किए गए प्रयास कामयाब नहीं दिखते। शोधकर्ताओं का कहना है कि प्रदूषण के कारण हो रहीं बीमारियां इस कदर जानलेवा होती हैं कि औसतन हर दिन 6,500 लोगों की मौतें हो रहीं हैं। कोरोना महामारी के कारण हो रही मौतों की तुलना करें तो प्रदूषण के कारण अधिक मौतें होती हैं। प्रदूषण के कारण होने वाली मौतों के कारण साल 2019 में करीब 356.66 लाख करोड़ का आर्थिक नुकसान हुआ था। यह वैश्विक आर्थिक उत्पादन के 6.2 फीसद के बराबर है। प्रदूषण से संबंधित 92 फीसद मौतें और प्रदूषण के कारण होने वाले आर्थिक नुकसान का सबसे ज्यादा भार निम्न और मध्यम वर्ग के देशों पर पड़ रहा है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाकर बिल्कुल सही किया है, लेकिन प्रदूषण केवल कोर्ट की कड़ाई से खत्म नहीं होगा। हम सबको मिलकर प्रयास करने होंगे। तभी स्वच्छ हवा में सांस ले पाएंगे।

स्मृति शेष

प्रणय कुमार

शिक्षा में भारतीयता के पैरोकार दीनानाथ

> दीनानाथ बतरा की प्रखर बौद्धिकता, गहरी सामाजिक-सांस्कृतिक समझ, प्रभावी संप्रेषणशीलता और सर्वसाधारण को समझने-समझाने की अद्भुत कला थी कि उन्होंने पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों में बदलाव जैसे शैक्षिक मुद्दे को जन-सरोकार में परिणत कर दिया था। इक्कीसवीं सदी का बीता ढाई दशक शिक्षा-क्षेत्र में उनकी महत्त्वपूर्ण उपस्थिति एवं निर्णायक पहल के लिए याद रखा जाएगा। बतरा जी जैसे शिक्षाविदों के सतत प्रयास के बल पर देश को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तो मिल गई, पर क्या उसके क्रियान्वयन की गति संतोषजनक है? ऐसे प्रश्नों का समग्र उत्तर बतरा को कृतज्ञ राष्ट्र की सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

भारत के शैक्षिक-सामाजिक परिवेश में बहुधा ऐसा कम ही देखने को मिलता है कि कोई व्यक्ति अपने जीवन-काल में ही शिक्षा-क्षेत्र में किए गए प्रयोगों एवं आंदोलनों के कारण चर्चा और आकर्षण का केंद्र बिंदु बन जाए। पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों को सामान्यतः अरुचिकर एवं नीरस विषय माना जाता है। जनसामान्य तो क्या प्रबुद्ध वर्ग भी उसके प्रति प्रायः उदासीन ही रहता है। यह दीनानाथ बतरा की प्रखर बौद्धिकता, गहरी सामाजिक-सांस्कृतिक समझ, प्रभावी संप्रेषणशीलता और सर्वसाधारण को समझने-समझाने की अद्भुत कला थी कि उन्होंने पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों में बदलाव जैसे शैक्षिक मुद्दे को जन-सरोकार में परिणत कर दिया था। इक्कीसवीं सदी का बीता ढाई दशक शिक्षा-क्षेत्र में उनकी महत्त्वपूर्ण उपस्थिति एवं निर्णायक पहल के लिए याद रखा जाएगा। गत 7 नवंबर, 2024 को दिल्ली में उनका निधन हो गया। यह कहना अनुचित नहीं होगा कि भारतीय मूल्यों को पोषित करने वाली शैक्षिक संस्थाएं विद्या भारती, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, भारतीय शिक्षण मंडल आदि के वैचारिक अधिष्ठान को मजबूती पतथा उसे गति प्रदान करने में उन्होंने सक्रिय एवं अग्रणी भूमिका निभाई।

वे भारत और भारतीयता के प्रबल पक्षधर थे। पक्षधर होना एक बात है, परंतु जिसके पक्ष में खड़े हैं, उसके लिए निरंतर अध्ययन करना और आवश्यकता पड़ने पर उसके लिए सड़क पर उतरकर आंदोलन करना या न्यायालय के दरवाजे खटखटाना दूसरी बात। जब हम छोटे-छोटे स्वार्थ, प्रलोभन, सम्मान-पुरस्कार के मोहपाश, पुलिस-प्रशासन एवं निरंकुश सत्ताओं के दबाव तथा अहं के टकराव आदि के कारण झुकते, बुद्धिजीवियों को देखते हैं तो बतरा जैसे ध्येयनिष्ठ योद्धा का महत्त्व समझ में आता है। वे अपने ध्येय एवं संकल्प के लिए बड़ी-से-बड़ी शक्तियों से लड़ने की सामर्थ्य रखते थे। विचारधारा को ताक पर रखकर सत्ता-प्रतिष्ठानों से समझौता-समन्वय करने का भाव उनमें कभी नहीं रहा, न ही प्रसिद्धि के शिखर पर पहुंचने के बाद उनमें बुद्धिजीवियों में पाई जाने वाली चयनित-सुविधावादी तटस्थता ही देखने को मिली। सबको साथ लेकर चलने की सांगठनिक कुशलता एवं कार्यकर्ताओं के हितचिंतन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भी उन्होंने कभी तत्त्व-दर्शन को दृष्टिपथ से ओझल नहीं होने दिया।

साहस उनका इतना प्रबल था कि 30 मई, 2001 को उन्होंने तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को नोटिस भेजकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में पारित प्रस्ताव में विद्या भारती के प्रति की गई अपमानजनक टिप्पणी को हटाने की पुरजोर मांग की। उन्होंने तमाम प्रामाणिक तथ्यों, तर्कों एवं साक्ष्यों के द्वारा कांग्रेस द्वारा लगाए गए इस आरोप को निराधार सिद्ध किया कि 'विद्या भारती की पाठ्यपुस्तकों में अल्पसंख्यकों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण हैं एवं वे जाति-व्यवस्था, सती-प्रथा एवं बाल-विवाह को उचित ठहराती हैं।' कांग्रेस के पास उनके अकाट्य तर्कों, साक्ष्यों आदि का कोई ठोस प्रत्युत्तर नहीं था। 2006 में उन्होंने एक जनहित याचिका दायर कर एनसीईआरटी की सामाजिक विज्ञान एवं

इतिहास की पाठ्यपुस्तकों में प्रकाशित सामग्री पर 70 आपत्तियां उठाईं। उन आपत्तियों के औचित्य एवं आधार का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उनमें से कुछ सामग्री में लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, बिपिन चंद्र पाल, अरबिंदो घोष एवं भगत सिंह को 'उग्रवादी' तथा प्राचीन काल में ब्राह्मणों एवं आर्यों को गोमांस का सेवन करने वाला तक बताया गया था। बतरा जी ने सप्रमाण यह सिद्ध किया कि ये मनगढ़ंत, मिथ्या एवं भ्रामक बातें हैं और इनका ऐतिहासिक तथ्यों से कोई लेना-देना नहीं है। बौद्धिक सत्य के प्रति उनके संघर्ष का ही परिणाम था कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने उनकी आपत्तियों का संज्ञान लेते हुए एनसीईआरटी को इन आपत्तियों का अध्ययन करने के लिए एक समिति बनाने का निर्देश दिया। बाजारवादी शक्तियों और उनके बौद्धिक समर्थकों ने जब विद्यालयी स्तर पर यौन-शिक्षा को संपूर्ण देश में अनिवार्य किए जाने की मांग उठाई, तब दीनानाथ बतरा भारतीय समाज पर पड़ने वाले उसके दुष्प्रभावों एवं संभावित खतरों को समझने वाले प्रमुख व्यक्ति थे। तब उनके तार्किक प्रतिरोध के कारण ही कुछ प्रादेशिक सरकारों ने अपने राज्य में यौन शिक्षा को विद्यालयी स्तर पर अनिवार्य करने से मना कर दिया था। 2008 में उन्होंने शिक्षा बचाओ आंदोलन की ओर से दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास के पाठ्यक्रम में से एके रामानुजन के निबंध 'थ्री हंड्रेड रामायणाज : फाइव एग्जांपल्स एंड थ्री थॉट्स ऑन ट्रांसलेशन' को हटाने की मांग की, परिणामस्वरूप 2011 में विश्वविद्यालय के अकादमिक परिषद द्वारा उक्त निबंध को पाठ्यक्रम से हटा लिया गया। 3 मार्च, 2010 को उन्होंने वेंडी डोनिगर, पेंगुइन समूह, संयुक्त राज्य अमेरिका एवं पेंगुइन इंडिया की सहायक कपंनी को एक वैधानिक चेतावनी भेजकर 'द हिंदुज : एन अल्टरनेटिव हिस्ट्री' में उल्लिखित सामग्रियों पर आपत्तियां उठाईं। उन आपत्तियों का संज्ञान न लिए जाने पर 2011 में उन्होंने डोनिगर एवं पेंगुइन प्रकाशन के विरुद्ध धार्मिक समुदायों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने तथा जान-बूझकर अपमानित किए जाने की मंशा से किए गए कृत्यों के लिए मुकदमा भी दायर किया, अंततः फरवरी 2014 में पेंगुइन इंडिया को इस पुस्तक की मुद्रित सभी प्रतियां वापस लेने के लिए बाध्य होना पड़ा।

2011 में ही उन्होंने वामपंथी विचारधारा से प्रेरित पत्रिका 'द फ्रंटलाइन' के संपादक एन. राम को 'शॉर्टकट टू हिंदू राष्ट्र' शीर्षक से आवरण-कथा प्रकाशित करने के लिए वैधानिक चेतावनी भेजी। भारतवर्ष की महान परंपरा में किसी की मृत्यु को वैचारिक मतभेद प्रकट करने का अवसर नहीं माना जाता, परंतु दीनानाथ बतरा के प्रति 'द फ्रंटलाइन' पत्रिका की घृणा का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उनकी मृत्यु के मात्र दो दिनों बाद उसमें 'दीनानाथ बतराः द एजुकेशनिस्ट हू वेज्ड वार एगेंस्ट नॉलेज' शीर्षक से लेख छपा। उनके मरणोपरांत भी उनके विरुद्ध विषवमन करने में पत्रिका ने कोई संकोच नहीं दिखाया। सोचकर देखें कि सनातन विरोधी गतिविधियों पर उनकी कितनी सतर्क दृष्टि रही होगी कि वे अकेले उन शक्तिशाली संगठनों एवं प्रकाशकों से मोर्चा लेते रहे और उनके मनमानेपन पर एक सीमा तक लगाम लगाए रखी। उनके निधन के पश्चात यह विचार करना सर्वथा उचित रहेगा कि शिक्षा में जिन मूल्यों की स्थापना के लिए दीनानाथ बतरा जैसे योद्धा जीवनपर्यंत संघर्षरत रहे, उसमें कहां तक और कितनी सफलता मिली? क्या शिक्षा के भारतीयकरण एवं पाठ्यक्रम-परिवर्तन की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है? सुखद है कि बतरा जी जैसे अनेक शिक्षाविदों के सतत चिंतन प्रयास एवं पुरुषार्थ के बल पर देश को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 जैसी युगांतकारी नीति तो मिल गई, पर क्या उसके क्रियान्वयन की गति संतोषजनक है? ऐसे सभी प्रश्नों का यथार्थ, प्रामाणिक एवं समग्र उत्तर बतरा जी को कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(लेखक शिक्षाविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विश्लेषण

सुरेश हिंदुस्तानी

भारत स प्रारत ट्रप का जात

अमेरिका में रिपब्लिकल पार्टी की ऐतिहासिक विजय के बाद अब यह तय हो गया है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनेंगे। अमेरिका का इतिहास बताता है कि ट्रंप की यह जीत उनकी ऐतिहासिक वापसी है। अमेरिका में यह विजय किसी चमत्कार से कम नहीं है। 130 वर्ष के अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार है, जब किसी ने यह कारनामा किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने लगातार तीसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा, जिसमें पहली और तीसरी बार वे सफल रहे, दूसरी बार के चुनाव में जो बाइडेन से पराजित हो गए। इस चुनाव में पराजित होने के बाद ट्रंप अमेरिका में राजनीतिक तौर पर लगातार सक्रिय रहे। उनका मिशन फिर से राष्ट्रपति बनना ही था, जिसे उन्होंने बखूबी अंजाम देकर एक नया कीर्तिमान बना दिया। चुनाव में उनकी प्रतिद्वंदी कमला हैरिस यकीनन राजनीतिक समझ रखती थी, लेकिन यह समझ सफलता की परिचायक नहीं बन सकी। यहां एक ख़ास तथ्य यह भी माना जा सकता है कि कमला हैरिस को भारतीय मूल का बताने का सुनियोजित प्रयास किया गया, ऐसा इसलिए किया गया कि भारतीय मूल के मतदाताओं को उनके पक्ष में लाया जा सके,

लेकिन वे जिन हाथों में खेल रही थी, वह लाइन भारत के लिए राजनीतिक तौर सही नहीं थी। वैश्विक राजनीति के जानकार ट्रंप की जीत कई निहितार्थ निकाल रहे हैं। कई विश्लेषक ट्रंप की जीत को भारत की कूटनीतिक सफलता के तौर पर भी स्वीकार कर रहे हैं। इसका एक कारण यह माना जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर भारत सरकार जिस नीति और विचार को लेकर कार्य कर रही है, उसकी झलक ट्रंप के विचारों में भी दिखाई देती है। इसके अलावा ट्रंप का कहना है कि अमेरिका की खोई ताकत को फिर से प्राप्त करना चाहते हैं। आज अमेरिका कहने मात्र को ही महाशक्ति है, लेकिन उसका वैसा दबदबा आज नहीं है, जो पहले हुआ करता था। इस बीच भारत ने महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्र गति से अपने कदम बढ़ाए हैं, इसलिए आज विश्व के अनेक देश भारत को महाशक्ति के रूप में देखने लगे हैं। हमें स्मरण होगा कि रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के दौरान भारत के नागरिक पूरे सम्मान के साथ भारत लौटे थे। उस समय भारत के नागरिकों के समक्ष यूक्रेन की सेना ने अपने हथियार नीचे कर लिए थे। यह केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि भारत की शक्ति का ही परिचायक था। भारत की इस बढ़ती शक्ति से अमेरिका भी भली भांति परिचित है। रूस और यूक्रेन युद्ध के बारे में कई बार यह कहा जा चुका है कि भारत चाहे तो युद्ध रुकवा सकता है। अमेरिका के इस चुनाव में भारत के लोकसभा चुनाव की तरह ही प्रचार किया गया। कई प्रकार के नैरेटिव स्थापित करने का प्रयास किए गए। वामपंथी विचार के मीडिया ने ट्रंप की राह में अवरोध पैदा करने के भरसक प्रयास किए। यही तो भारत में किया गया। वामपंथी समूह ने भारत के लोकसभा चुनावों में सरकार के विरोध में जहरीली भाषा का प्रयोग किया। फिर भी आख़िरकार नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन हो गए। विश्व के कई देश आज कई प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे हैं। कोरोना के बाद कई देशों की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है, उसे पटरी पर लाने के लिए उस देश की सरकार की ओर से भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। इनमें कई समस्याएं ऐसी हैं, जो सबके सामने हैं। आतंकवाद एक विकराल समस्या बनता जा रहा है। अमेरिका भी इससे ग्रसित है। रूस और यूक्रेन की बीच तनातनी कम नहीं हो रही। इजराइल और हमास के बीच युद्ध है। अमेरिका में ट्रंप के पुनः राष्ट्रपति बनने के बाद यह लग रहा है कि अब आतंक के सहारे भय का वातावरण बनाने वाले किसी भी कदम को रोकने का प्रयास किया जाएगा। अमेरिका में ट्रंप की जीत से पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश में सुगबुगाहट प्रारम्भ हो गई है, क्योंकि यह देश भारत को हमेशा अस्थिर करने की फिराक में रहते हैं। हम वह वाक्या अभी तक भूले नहीं हैं, ज़ब अमेरिका ने आतंक के विरोध में लादेन को मौत के घाट उतार दिया था, हालांकि उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति ओबामा थे, लेकिन आतंक के विरोध में ट्रंप का भी वैसा ही रवैया माना जा सकता है। चीन के समक्ष भी स्थिति पैदा होती दिखाई दे रही है। अमेरिका हमेशा से ही पाकिस्तान से आतंक के विरोध में कार्यवाही करने के लिए कहता है, लेकिन जो देश आतंक के आकाओं के सहारे ही चल रहा हो, वह आतंक के विरोध में कैसे कार्यवाही कर सकता है। अब अमेरिका में ट्रंप के पुनः आने के बाद इस बात की संभावना बढ़ गई है कि पाकिस्तान दिखावे के लिए ही सही, लेकिन आतंक के आकाओं के खिलाफ एक्शन लेगा।

((लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

गुणों के विकास से आध्यात्मिक स्वास्थ्य संभव

संकलित

दर्शन

हमारे पास एक शरीर है, हमें उसका पोषण करना है और जब वह रोगग्रस्त हो जाता है, तब हमें उसकी देखभाल करनी है। हमें उसके आरोग्य का उपाय ढूंढना है और जीवन के भौतिक पक्ष से जुड़े सभी विषयों पर ध्यान देना है, परंतु बात यह है कि प्रायः मानव जाति केवल यहीं पर रुक जाती है। उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि हमारे अस्तित्व का एक मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और उच्चतर आध्यात्मिक आयाम भी है। इसलिए सफलता का उनका (परमहंसजी का) मार्ग था उचित संतुलन को प्राप्त करना। वहां, जहां आप भौतिक सफलता और समृद्धि प्राप्त करते हैं। जहां आपके पास भावनात्मक संतुलन और आंतरिक शांति होती है। आध्यात्मिक रूप से आपके पास एक उच्चतर उद्देश्य के लिए अपने जीवन को संचालित करने का ज्ञान होता है, न केवल धन एकत्र करना और परिवार व संतानों की उपलब्धि, अपितु यह अनुभव करने का एक उच्चतर उद्देश्य कि मैं ईश्वर का एक स्फुलिंग हूं, मैं इस भौतिक शरीर में निवास करने वाला आत्मा हूं और अपने जीवन के सभी पक्षों में ईश्वर के पूर्ण साक्षात्कार और अभिव्यक्ति की प्राप्ति ही मेरा अंतिम उद्देश्य है। एक बार जब आप यह धारणा बना लेते हैं, तो जीवन अत्यंत रोमांचक हो जाता है, क्योंकि सब प्रकार के कौशल, क्षमताएं और योग्यताएं आपके लिए उपलब्ध हैं। ये प्रत्येक मनुष्य की अक्षय निधि का अंग हैं, परंतु वे तब तक पूर्ण रूप से निष्क्रिय रहती हैं, जब तक उन्हें सचेतन एकाग्रता और सचेतन प्रयास के द्वारा जाग्रत नहीं किया जाता है।

ज्ञान पाना चाहते हैं तो अहंकार छोड़ दें

संकलित

प्रेरणा

गौतम बुद्ध यात्रा करते रहते थे और बीच-बीच में जहां ठहरते थे, वहां अपने शिष्यों को और अन्य लोगों को उपदेश दिया करते थे। बुद्ध के साथ उनका एक शिष्य हमेशा रहता था। उसका नाम था आनंद। एक दिन बुद्ध प्रवचन दे रहे थे और उस समय आनंद ने पूछा कि तथागत, आप जब प्रवचन देते समय ऊंची जगह पर बैठते हैं और सुनने वाले नीचे बैठते हैं, ऐसा क्यों है? बुद्ध ने आनंद की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आनंद पहले तुम ये बताओ कि क्या तुमने कभी किसी झरने से पानी पिया है? आनंद बोला कि हां, मैंने झरने से पानी पिया है। इसके बाद बुद्ध ने फिर पूछा कि तुमने पानी कैसे पिया? आनंद ने बुद्ध को बताया कि झरना ऊपर से बह रहा था और मैंने झरने के नीचे खड़े होकर पानी पिया था। बुद्ध ने आनंद से कहा कि बस यही तुम्हारी बात का जवाब है। अगर हम झरने से पानी पीना चाहते हैं तो हमें उस झरने के नीचे ही खड़े रहना पड़ेगा। ठीक इसी तरह प्रवचन भी एक झरने की तरह है। जहां ज्ञान का झरना बहाने वाला ऊंची जगह पर बैठते हैं और जो लोग ज्ञान के झरने का पान करना चाहते हैं, वे नीचे बैठते हैं। दरअसल, ज्ञान पाने का सबसे पहला नियम ये है कि हमें अहंकार छोड़ना पड़ेगा। नीचे बैठने से हमारे स्वभाव में जो विनम्रता आती है, अहंकार दूर होता है। इसके बाद ही हम किसी की ज्ञान की बातें ठीक से समझ पाते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

लापरवाही के अग्निकांड कब रुकेंगे?

एक बार फिर कुछ लोगों की लापरवाही नवजात बच्चों की जान पर भारी पड़ गई। हाल ही में महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज, झांसी में आग लगने से कुछ नवजात बच्चों की मौत हो गई और कुछ घायल भी हुए हैं। देश में इससे पहले भी अग्निकांड के दुखद हादसे हो चुके हैं। इससे पहले गुजरात के राजकोट में गेम जोन में आग लगने से लगभग 20 लोगों की जान चली गई थी। दिल्ली के विवेक विहार में एक बेबी केयर सेंटर में भी भयानक आग लग गई थी। इसमें कुछ नवजात बच्चों की मौत हो गई थी। नवंबर 2021 में एक सप्ताह में ही देश के विभिन्न राज्यों के दो अस्पतालों में आग की घटनाओं की खबरें सामने आई थीं। और भी कई हादसे हैं, परंतु इन हादसों पर रोक न लगना चिंता का विषय है।

– मिलिंद देशपांडे, बिलासपुर

ट्रेंड

युवाओं के लिए अवसर

इस बार 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' के रूप में राष्ट्रीय युवा महोत्सव मनाया जाएगा। यह युवाओं के लिए 'विकसित भारत' के निर्माण हेतु अपने विचार सीधा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शेयर करने का अवसर बनेगा।

-मनसुख मांडविया, केंद्रीय मंत्री

शांति के लिए कदम बढ़ाएं

हमें शांति के लिए कदम बढ़ाना चाहिए। 'हर जगह, शांति के लिए मूल्यों पर आधारित कार्यों की आवश्यकता होती है यूएन चार्टर, कानून का शासन और संप्रभुता, राजनीतिक स्वतंत्रता और राज्यों की क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांत।

-एंटोनियो गुतारेस, यूएन महासचिव

ज़्यादा योगदान ग़रीबों का

मुंबई में रोजाना लाखों लोग आते हैं। देश की संपत्ति बढ़ाने में अपना योगदान देते हैं। देश की संपत्ति बढ़ाने में सबसे ज़्यादा योगदान ग़रीबों का है, छोटे व्यापारियों का है, श्रमिकों का है, वर्करों का है, ना कि मोदी जी के पूंजीपति मित्रों का है।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

गीता के कुछ पन्ने पढ़ता हूं

मैं हर दिन गीता के कुछ पन्ने पढ़ता हूं और यह आश्चर्यजनक है कि हर बार उसी पन्ने का एक नया अर्थ होता है। मैं गीता की शिक्षाओं को अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करता हूं। इन सीखों को प्रत्येक सोमवार को मैं कुछ पंक्तियां साझा करूंगा।

-अनिल अग्रवाल, उद्योगपति

करंट अफेयर

ट्रंप का इमरान खान से कोई संबंध नहीं : तरार

डोनाल्ड ट्रंप के समर्थक और प्रमुख पाकिस्तानी-अमेरिकी उद्योगपति साजिद तरार ने कहा है कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति का पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं है। 'मुस्लिम फॉर ट्रंप' संगठन के प्रमुख साजिद तरार ने यह भी कहा कि ट्रंप भारत के साथ संबंधों को मजबूत करेंगे और बांग्लादेश में मानवाधिकार उल्लंघन के आरोपों पर कड़ी नजर रखेंगे। तरार ने कहा, 'पाकिस्तान में एक विशेष पार्टी द्वारा यह धारणा बनाई जा रही है कि उनके (खान के) डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्यक्तिगत संबंध हैं। यह सच नहीं है। सच यह है कि बतौर राष्ट्रपति अपने कार्यकाल के दौरान ट्रंप ने खान को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के तैर पर 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा कि ट्रंप खान को जेल से बाहर निकालने के लिए पाकिस्तान के आंतरिक मामलों या उसकी न्यायपालिका में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। खान को पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग द्वारा दायर पहले तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद पिछले साल गिरफ्तार किया गया था।

ऑफ बीट

कानूनी रूप से वैध जुए में नुकसान झेलते हैं प्रवासी

ऑस्ट्रेलिया में लोग हर साल कानूनी रूप से वैध जुए में करीब 25 अरब डॉलर गंवा देते हैं, जो दुनियाभर में व्यक्तिगत तौर पर होने वाले नुकसान का सबसे बड़ा कारण है। जुए से आर्थिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक नुकसान होता है और आपके प्रियजन, साथियों, सहकर्मियों व समुदाय भी इससे प्रभावित होते हैं। कुछ समुदाय अन्य समुदायों की तुलना में अलग तरह से प्रभावित होते हैं। उत्तरी क्षेत्र की बहु सांस्कृतिक आबादी बढ़ रही है, जहां 22 प्रतिशत निवासी दूसरे देशों से आए हैं और 33 प्रतिशत लोग अंग्रेजी भाषी हैं। बहुसांस्कृतिक क्षेत्रों में प्रवासी समुदाय के लगभग 37 प्रतिशत लोगों को जुआरी माना जाता है, जबकि अंग्रेजी बोलने वाले परिवारों में यह आंकड़ा 14 प्रतिशत है। कई प्रवासी, जिनमें उत्तरी क्षेत्र में रहने वाले लोग भी शामिल हैं, वित्तीय, सामाजिक और भावनात्मक दबावों का सामना करते हैं। इन दबावों के कारण कभी-कभी वे समाजीकरण या तनाव से छुटकारा पाने के साधन के रूप में जुआ खेलने के लिए प्रेरित होते हैं। हमारे शोध में यह पता लगाया गया है कि जोखिम और नुकसान को सीमित करने के लिए क्या किया जा सकता है और कैसे किया जा सकता है।

अनमोल होता है अपनों का साथ

हालिया वर्षों में जिस तरह करीबी रिश्तों में दूरियां आने लगी हैं, वह सही नहीं है। परिवार में एक-दूसरे के प्रति प्रेम होना बहुत जरूरी है। प्रयास यही होना चाहिए, परिजनों के बीच आत्मीय जुड़ाव हमेशा बना रहे। पारिवारिक प्रेम हमें जीने की ताकत देता है, जिंदगी को आसान और खुशहाल बनाता है।

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

परिवार की खुशहाली सबसे बड़ा सुख होती है। अपनों के चेहरों पर खिली खुशी की रौनक हर उम्र के लोगों के लिए बहुत ही सुकून भरा एहसास होता है। मिल-जुलकर सुख के लम्हे जीने की बात हो या दुःख-तकलीफ साझा करने का भाव, हर परिस्थिति में अपनों का साथ अनमोल होता है। इस अपनेपन से हर मुश्किल आसान हो जाती है, सुख की उजास कई गुना बढ़ जाती है। बावजूद इसके हालिया बरसों में करीबी रिश्तों में भी दूरियां आने लगी हैं। साझेपन की यह सोच सिमट रही है। ऐसे में आम-सी बातों का खयाल, इस खास जुड़ाव को मजबूत बनाए रख सकता है।

स्नेहपगी सोच

परिवार के सदस्यों में एक-दूसरे के प्रति प्रेम का भाव होना सबसे जरूरी है। कहते हैं कि अपनों के जुड़ाव और जज्बातों में कोई मिलावट नहीं होती है। होनी भी नहीं चाहिए, क्योंकि बहुत कुछ बदल जाने के बावजूद रिश्तों की यही कड़ी सबसे अहम है। आपसी प्रेम है तो एक-दूसरे की संभाल-देखभाल से लेकर मन को समझने तक, सब कुछ किया जा सकता है। परिवार के सदस्यों के बीच अंतरंगता बनी रहती है। असल में देखा जाए तो स्नेह की बुनियाद पर ही रिश्तों के सारे भाव-चाव टिके होते हैं। स्नेह के खाद-पानी से ना केवल आपसी तालमेल का भाव पोषण पाता है, बल्कि पारिवारिक अपनेपन की सोच को भी बल मिलता है। जिससे परिवार के हर सदस्य को सुरक्षा, अच्छी सेहत और आत्मविश्वास की सौगात मिलती है। अपने परिजनों से प्रेम करना और उनका प्यार पाना हर मोर्चे पर जीवन को खुशहाल बनाता है। अध्ययन बताते हैं कि अपनों का प्यार मस्तिष्क में उन रसायनों को बढ़ावा दे सकता है, जो इंसान को आशावादी और खुश महसूस कराते हैं। यह खुशी और उम्मीद भरी सोच, तन-मन की सेहत सहेजने वाली होती है।

कहने-सुनने का परिवेश

इंसानी मन की भावना से लेकर व्यावहारिक व्यवहार-बर्ताव तक, सब कुछ संवाद की धुरी पर टिका होता है। कहने-सुनने का परिवेश परिवार के सदस्यों के स्वस्थ संबंधों का आधार होता है। बच्चे हों या बड़े, खुलकर राय दे पाने का माहौल पारिवारिक खुशहाली के लिए आवश्यक है। कुछ भी दबा-छुपा रखने के हालात एक ही परिवार में कई खांचे बना देते हैं। साथ होकर भी सब बंटे-बंटे से रहने लगते हैं। इसीलिए घर के हर सदस्य के लिए शिकायत, सराहना या सलाह देने का खुलापन होना चाहिए। आज के दौर में यह सहजता और आवश्यक हो चली है। समझाइश हो या स्नेह, बिना कुछ बताए, जताए अपनों तक कैसे पहुंच सकता है। इसीलिए कभी प्यार भरी बातें कहकर तो कभी गले लगाकर एक-दूसरे को साथ का भरोसा दिलाना जरूरी है। बच्चों के लिए तकलीफ में बड़ों की एक थपकी और बड़ों के लिए बच्चों का हाथ थामकर आश्वस्ति देना, रिश्तों को मजबूत बनाता है। इतना ही नहीं, ऐसे खुशहाल परिवेश में बच्चे अपनी बड़ी पीढ़ी से बहुत से लाइफ स्किल्स सीखते हैं तो बड़े भी बच्चों के साथ जिंदगी के जीवंत भावों से जुड़े रहते हैं।

रहें सकारात्मक

हमारे पारिवारिक परिवेश में दिखता है कि निंदा या आलोचना केवल पराए ही नहीं, अपने भी करते हैं। नकारात्मक रहकर स्थिति को ना समझने की गलती अपने भी कर बैठते हैं। बहुत से घरों में रिश्तों के बिखराव की बड़ी वजह यही नकारात्मक बर्ताव भी है। इससे समस्याएं सुलझने के बजाय उलझती हैं, विवाद बढ़ते हैं, शिकायतें बढ़ती हैं। साथ बैठकर हंसने-खिलखिलाने का माहौल नहीं बनने की जगह दूरियां बढ़ने लगती हैं। मतभेद बढ़ाने वाली बातों से परवाह का भाव कम होता है। ऐसे में सही समय और परिस्थिति देखकर आपसी गलफहमियों को दूर करना चाहिए। जरूरी हो तो स्पष्ट शब्दों में सवाल पूछकर अपनी शंका दूर करने का प्रयास होना चाहिए। हर औपचारिकता से परे परिवार के सदस्यों को एक-दूजे पर इतना अधिकार तो होता ही है। ऐसे हक दबदबा बनाने से नहीं बल्कि दिल खोलकर अपनी बात कहने से बनते हैं, जो कहीं ना कहीं परिवार की खुशहाली को बनाए रखते हैं।

यों जुड़े रहें एकसाथ

परिवार के सदस्यों का एकसाथ बैठकर बात करना नहीं हो पाता, लेकिन समय-समय पर एक साथ जरूर होना चाहिए। त्योहार इसके लिए सबसे अच्छा अवसर है। परंपरागत उत्सव साथ मनाएं। छुट्टियों की प्लानिंग सभी का शेड्यूल देखते हुए करें ताकि साथ समय बिताया जा सके। साल में किसी खास अवसर पर मिलने का नियम बनाएं। एक ही शहर में हैं तो नियमित मिलते-जुलते रहें। किसी भी संकट या समस्या को लेकर दूर रह रहे अपनों से चर्चा जरूर करें। छोटे सदस्य हक से सलाह मांगें और बड़े अधिकारपूर्वक समझाइश दें ताकि जीवन की जरूरतें जुटाने के लिए दूर जा बसने के हालात दिलों में दूरियां ना ला पाएं।

आभासी सेतु के माध्यम से बनाए रखें जुड़ाव

बहुत से परिवारों में काम-काजी जरूरतों और दूसरे कई व्यावहारिक कारणों से घर के सभी सदस्यों का साथ रहना नहीं हो पाता। लेकिन सुखद यह है कि तकनीक के साथ ने जुड़े रहना आसान किया है। यह आभासी सेतु भी संबंधों के जुड़ाव को कायम रखने में मददगार है। इन माध्यमों के जरिए परिवारजन एक दूसरे के संपर्क में रहें, आत्मीयता बनाए रखें।

बचपन में ही सिखाएं शिष्टाचार के गुण

बच्चे अपने माता-पिता से ही आचार-व्यवहार सीखते हैं। इसलिए अभिभावक बचपन में ही उन्हें सही आचरण करना सिखाएं। वे नैतिकता का पाठ तो सीखें ही, साथ ही सबके साथ शिष्टतापूर्ण व्यवहार करें, लोगों की भावनाएं समझें और संवेदनशील भी बनें।

बच्चे और आप

शीला श्रीवास्तव

बच्चा खाना-पीना, बोलना-चलना, सब कुछ अपने माता-पिता से ही सीखता है। बच्चे अपने परिवार में ही सद-व्यवहार, शिष्टाचार के गुण भी सीखते हैं। ये वो गुण हैं, जो बच्चे के व्यक्तित्व को बेहतर आकार देते हैं, समाज में उन्हें प्रभावशाली बनाते हैं। इसलिए जब आपका बच्चा थोड़ा बड़ा हो, बोलने-समझने लगे तो उसको हर वो सद्गुण सिखाएं, जो उसके व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाएं।

सच बोलना सिखाएं: सच या झूठ बोलना बच्चे अपने आस-पास के वातावरण और बड़ों से ही सीखते हैं। बच्चों को सच बोलना सिखाने के लिए आपको भी हर स्थिति में सच बोलना चाहिए। कुछ छोटे-मोटे झूठ हैं, जिन्हें आप नजरअंदाज करती हैं, उनसे बच्चे भी झूठ बोलना सीख जाते हैं। इसलिए झूठ बोलने से बचें। बच्चों को सच बोलने का महत्व समझाएं। जीवन की वास्तविक घटनाएं तो बच्चे समझ नहीं सकते, इसलिए कहानियों के जरिए सच बोलने के महत्व को बताएं। अगर बच्चे कभी गलती करते हैं या अपनी गलती आपको बताते हैं, तो इस पर उन्हें डांटे नहीं। आप डांटेंगी तो वे इससे बचने के लिए झूठ बोलना शुरू कर देंगे। बच्चों को प्यार से समझाएं कि वह यह गलती दोबारा ना करे।

सिखाएं भावनाओं की कद्र करना: दूसरों की भावनाओं की कद्र करना बचपन में ही सिखाना चाहिए। अगर माता-पिता में से कोई दुखी है तो बच्चे को इसका एहसास होना जरूरी है। कई बार जब अभिभावक बच्चों की मांग पूरी नहीं कर पाते, इसका कारण भी बच्चों को बताते हैं, फिर भी वे अपनी जिद पर अड़े रहते हैं। माता-पिता की भावनाओं की कद्र नहीं करते। आपकी और दूसरों की तकलीफ बच्चे समझ सकें, इसके लिए उन्हें तैयार करें।

माफ करना-माफी मांगना सिखाएं: अगर आपका बच्चा अपने भाई या बहन से झगड़ा करके और नाराज होकर एक तरफ बैठ जाए, तो उसे माफ करना और माफी मांगना भी सिखाएं। कुछ बच्चे सॉरी कहना नहीं जानते। बड़े होकर यही मुश्किल बन जाती है, क्योंकि ना वे माफी मांग पाते हैं और ना माफ कर पाते हैं। इसलिए उसे माफी मांगना सिखाएं। अगर आप कुछ गलत करते हैं तो बच्चे से माफी मांगे ताकि वह आपको देखकर सीखे। वहीं दूसरों को माफ करके आगे बढ़ने की शिक्षा दें।

बच्चों को संवेदनशील बनाएं: बच्चों को संवेदनशीलता के गुण सिखाएं। पौधे लगाना, उसकी देखभाल करना। रोज पानी डालना। साफ-सफाई रखना। मूक-प्राणियों के प्रति भी संवेदनशील बनाएं। चिड़ियों को दाना डालना भी सिखाएं। कहते हैं कि कोई व्यक्ति मूक प्राणी के साथ कैसे व्यवहार करता है, उससे समझ में आ जाता है कि वो इंसान कैसा है।

मानव सेवा और आध्यात्मिकता से जोड़ें: बच्चों को मानव सेवा और आध्यात्मिकता से भी जोड़ना चाहिए। मानव सेवा से बढकर कोई पूजा नहीं। बच्चों के मन में कभी किसी के प्रति द्वेष भावना ना भरें। बच्चों को नैतिकता की शिक्षा भी दें। नैतिक मूल्यों को समझाने हेतु बच्चों को पौराणिक कथाएं सुना सकती हैं, क्योंकि कहानियों का असर बच्चों पर ताउम्र रहता है।

चुनौती लेना सिखाएं

बच्चे जिन कामों को करने से डरते हैं, उन्हें उस काम को करने के लिए प्रेरित करें, प्रोत्साहित करें। इससे उनका डर खत्म हो जाएगा। उन्हें हर चुनौती का सामना करना सिखाएं। अगर बच्चा किसी काम को करने में डरता है, तो उसका डर दूर भगाएं, काम करने को कहें। अभ्यास करवाएं। अगर उससे कोई काम नहीं बन रहा है, वह उदास-परेशान हो रहा है तो उसे वह काम खुद पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करें। हारने का डर मन से निकालने को कहें। हार तो केवल एक नतीजा है, उससे प्रयास करना नहीं छोड़ना है, यह सिखाएं। बच्चों को अभी से चुनौतियों का सामना करना सिखाएंगे, तभी वे आगे बढ़ पाएंगे।

हेल्थ केयर

निकिता चौहान

क्या बदलते मौसम में आप हो जाती हैं बीमार

इन दिनों मौसम में बदलाव हो रहा है। ऐसे बदलाव से कुछ महिलाएं खुद को एडजस्ट नहीं कर पाती हैं। इस कारण उन्हें कई तरह की शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जैसे, खांसी-जुकाम होना, सुबह-शाम हल्का फीवर होना। इसके अलावा कुछ लोग मौसम के बदलने पर टेंपरेरी डिप्रेशन के शिकार भी हो जाते हैं। इन सभी प्रॉब्लम्स को सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर कहा जाता है। आपको बता दे पुरुषों से ज्यादा महिलाएं इस समस्या का सामना करती हैं।

सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर के कारण: एक्सपर्ट्स के अनुसार, महिलाओं में सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर हार्मोनल चेंजेस के कारण होता है। दरअसल, उम्र के साथ हर महिला में हार्मोनल चेंजेस होते रहते हैं। इसके अलावा सर्दियों में सूरज की रोशनी कम होने से मस्तिष्क में सेरोटोनिन नामक हार्मोन कम मात्रा में बन पाता है। इस वजह से भी कई महिलाओं में थकान, डिप्रेशन और वजन बढ़ने के लक्षणों के साथ एंजायटी भी हो जाती है।

प्रमुख लक्षण: सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर कई प्रकार के लक्षणों से पहचाना जा सकता है। सर्दी के शुरू होते ही लो या बिना वजह डिप्रेशन फील होना। नींद ना आना, एनर्जी की कमी महसूस करना, किसी काम में फोकस करने में परेशानी होना, बेवजह मन उचटा सा लगना, सुसाइडल थॉट आना, अकेले रहना, पूरा दिन थकान महसूस होना, सामान्य से ज्यादा भूख लगना, फिजिकल एक्टिविटी में कमी आना, वजन का बढ़ना सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर की वजह से हो सकते हैं। इसके अलावा सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर के कारण 18 से 30 वर्ष की उम्र के बीच की महिलाओं में पीरियड्स से जुड़े हार्मोंस में बदलाव आना और प्रेग्नेंसी के दौरान या उसके के बाद कई तरह के हार्मोनल बदलाव आ सकते हैं। साथ ही इससे हार्मोन इमबैलेंस, नींद ना आना और मूड स्विंग जैसी समस्याएं आ सकती हैं।

ट्रीटमेंट का तरीका: सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर का इलाज आपके लक्षणों पर डिपेंड करता है। इसका इलाज दवाओं और बिहेवियरल थेरेपी से भी किया जा सकता है। इसके इलाज में डॉक्टर आपके साथ कॉग्नेटिव बिहेवियर थेरेपी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस थेरेपी में डॉक्टर नेगेटिव सोच को खत्म करके आपमें पॉजिटिव सोच बढ़ाने का प्रयास करते हैं। अच्छी डाइट, हेल्दी लाइफस्टाइल, रेग्युलर एक्सरसाइज और धूप लेने से लाभ होता है। इसके साथ अपनी रेग्युलर डाइट में पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी लेने की सलाह भी डॉक्टर देते हैं।

(सीनियर कंसल्टेंट गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. रितु सेठी से बातचीत पर आधारित)

एडवाइस

मधु सिंह

गप्पबाजी कीजिए रहिए तरोताजा

यह अब किसी का माना हुआ ही नहीं बल्कि शोध की कसौटी में परखा हुआ सत्य है कि बेमतलब की यानी अनौपचारिक बातचीत करने से, जिसे हम गप्पबाजी भी कहते हैं, ना सिर्फ हम इससे तनावमुक्त होकर तरोताजा महसूस करते हैं बल्कि हममें खूब नए-नए विचार और कल्पनाएं भी आती हैं। इसलिए मनोवैज्ञानिक भी अब इस बात की तस्दीक करते हैं कि अगर अपने व्यक्तित्व को रचनात्मक बनाना है, तो हर महिला को थोड़ी गप्पबाजी भी करनी चाहिए। हम हर समय काम की बातें ही ना करें, बीच-बीच में बिना किसी काम की यानी बेमतलब की बातें भी करें। इससे हम रिलैक्स फील करेंगे, यह रिलैक्सेशन हमारे चेहरों को अतिरिक्त रूप से ग्लो देता है। इससे हमारी मांसपेशियां तरोताजा होती हैं, जिसका असर हमारे लुक में साफ दिखता है। जब हम ताजगी से भरे होते हैं, तो हमारी उम्र काफी कम लगती है। इस सबसे हमारी खूबसूरती और पर्सनालिटी खूब निखरती है। लेकिन आम जनजीवन में यही माना जाता है कि गप्पबाजी करना, खाली बैठे लोगों का काम है। वैसे यह भी सही है कि अगर हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में गप्पबाजी की तादाद काफी ज्यादा है, तो इससे हमें कई बार फायदे की जगह नुकसान होने लगते हैं। लेकिन दाल में नमक के बराबर यदि हमारी जीवनशैली का हिस्सा गप्पबाजी भी बनती है तो यह हमारे व्यक्तित्व में चार चांद लगा देती है। आइए जानते हैं, गप्पबाजी का हमारी समूची पर्सनालिटी में कैसे-कैसे असर पड़ता है।

निखरती है कार्यकुशलता: अगर हमारी जीवनशैली में गप्पबाजी का संतुलित हिस्सा मौजूद है तो इससे हमारी कार्यकुशलता निखरती है। हम जो कुछ भी करते हैं, उसमें एक कुशलता नजर आती है, क्योंकि तब हम कोई काम मन से तरोताजा होकर कर रहे होते हैं। यही वजह है कि गप्प मारना ना सिर्फ हमारी सेहत के लिए अच्छा है, यह हमारी कार्यकुशलता भी बढ़ाती-निखारती है।

शरीर में आती है स्फूर्ति: पूरे दिन में कम से कम एक दो बार दस-दस मिनट की अगर हम गप्पबाजी कर लेते हैं तो दिनभर का मानसिक तनाव दूर हो जाता है। इससे मानसिक थकान भी मिट जाती है। नतीजतन हम अपने आपको तरोताजा महसूस करते हैं। इससे हमें शरीर में एक खास तरह की स्फूर्ति महसूस होती है, मूड फ्रेश रहता है। इस तरह देखें तो गप्पबाजी हमारे लिए मूड रिफ्रेशर का भी काम करती है। चूंकि गप्प मारने में हमें खूब मजा आता है। इसके चलते हमारे इर्द-गिर्द का माहौल हल्का-फुल्का हो जाता है। इसलिए हम गप्प मारकर पूरी तरह से तनावमुक्त रहते हैं। आमतौर पर महिलाएं पुरुषों के मुकाबले 20 से 25 फीसदी कम तनाव का शिकार होती हैं। मानसिक परेशानियां भी उनमें पुरुषों के मुकाबले काफी कम पाई जाती हैं। इसकी वजह यही है कि महिलाएं दिन में कभी भी मौका मिलते ही गप्पबाजी से नहीं चूकती हैं।

बढ़ती है हाजिरजवाबी: अगर हमारे व्यक्तित्व में संतुलित मात्रा में गप्पबाजी मौजूद है, तो हम उन लोगों के मुकाबले कहीं ज्यादा हाजिरजवाब होते हैं, जो गप्पें नहीं मारते। गप्पें मारने से हमारी कार्यक्षमता तो बढ़ती ही है, हममें हाजिरजवाबी की भरपूर कुशलता भी आ जाती है। बेहद गंभीर लड़कियां कितनी ही खूबसूरत हों, लेकिन चुलबुली लड़कियां उनके मुकाबले बाजी मार लेती हैं, क्योंकि चुलबुलापन का एक हिस्सा गप्पबाजी से ही बनता है। कुल मिलाकर गप्पबाजी करने से हम तरोताजा महसूस करते हैं।

क्रिएटिव फील्ड की जान है गप्पबाजी

अगर आप लेखिका हैं, पत्रकार हैं और आपके स्वभाव में गप्पबाजी भी शामिल है, तो समझ लीजिए आप सोने में सुहागा हैं। क्योंकि संतुलित गप्पबाजी ना सिर्फ अच्छा लेखक और पत्रकार बनाती है बल्कि इससे सोचने-समझने की क्षमताओं में भी विस्तार होता है। अगर आप किसी ऐसे क्षेत्र में कार्यरत हैं, जो पब्लिक डीलिंग का क्षेत्र है, तब तो समझ लीजिए कि यह गप्पबाजी आपको आपके काम में माहिर ही नहीं, ग्राहकों के बीच लोकप्रिय भी बनाती है। आपकी गप्पबाजी की आदत के चलते लोग आपकी इज्जत भी करते हैं और रेस्पॉन्स भी देते हैं।

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

जाड़े के मौसम में ड्राय और क्रैक्ड लिप्स की समस्या से कई लोग परेशान रहते हैं। अगर आप भी इस सीजन में अपने लिप्स को सॉफ्ट और पिंक बनाए रखना चाहती हैं तो होममेड लिप बाम यूज कर सकती हैं। इन्हें आप आसानी से घर में बना सकती हैं।

सॉफ्ट लिप्स के लिए होममेड लिप बाम

हालांकि अभी कड़ाके की सर्दी शुरू नहीं हुई है लेकिन सुबह-शाम इसका एहसास होने लगा है। ऐसे में मौसम में बदलाव, वातावरण में नमी की कमी से होंठों के फटने की समस्या से कई लोग परेशान रहते हैं। आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ने पर यह समस्या और बढ़ेगी। दरअसल, होंठों की स्किन बाकी शरीर की स्किन से ज्यादा पतली और सॉफ्ट होती है और इसीलिए इस पर मौसम का असर जल्दी पड़ता है। इसीलिए इस मौसम में होंठों के कटने, फटने, शुष्क होने और खुरदुरे दिखने की दिक्कत बढ़ जाती है, इसलिए होंठों को सॉफ्ट बनाए रखने और सूखने से बचाने के लिए उनकी अच्छे से केयर करना बहुत जरूरी है। होंठों को गुलाबी और मुलायम रखने के लिए एक अच्छे लिप बाम का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। बाजार में मिलने वाले अधिकांश लिप बाम को बनाने में कई तरह के केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है, जो होंठों को ठीक करने के बजाय नुकसान पहुंचा सकते हैं। इनके यूज से कई बार होंठ काले भी पड़ने लगते हैं। ऐसे में अगर आप घर पर ही लिप बाम तैयार करें तो कहीं बेहतर परिणाम मिलेंगे।

ऐसे बनाएं घर पर लिप बाम

रोज-एलोवेरा जैल: इसे बनाने के लिए जरूरी सामग्री हैं 8 से 10 गुलाब की पंखुड़ियां, दो पीस विटामिन ई कैप्सूल, एक चम्मच कच्चा दूध और दो चम्मच एलोवेरा जैल। सबसे पहले गुलाब की पंखुड़ियों को धोकर मिक्सर ग्राइंडर में पीस लें। पंखुड़ियों के पेस्ट को कांच की कटोरी में निकालकर उसमें थोड़ा सा कच्चा दूध, विटामिन ई कैप्सूल का जेल और एलोवेरा जैल को मिला दें। इन सभी चीजों का मिश्रण अच्छे से स्मूद बनाकर पेस्ट को एयरटाइट कंटेनर में बंद करके फ्रीज में स्टोर करें। अगले दिन से आप लिप बाम का इस्तेमाल कर सकती हैं।

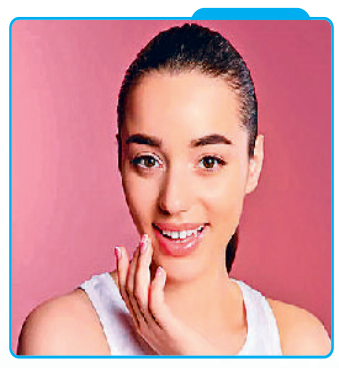

हनी-रोज लिप बाम: यह बाम बनाने के लिए गुलाब की पंखुड़ियां, 1 चमच्च शहद, 1 चम्मच पेट्रोलियम जैली और 1 चम्मच नारियल तेल की जरूरत होगी। गुलाब की पंखुड़ियों को धोने के बाद एक बर्तन में डाल कर एक कप पानी में अच्छी तरह पका लें। इसे छानकर एक कटोरी में निकल लें। अब गुलाब वाले पानी में शहद, पेट्रोलियम जैली और नारियल तेल मिला लें। जब यह स्मूद हो जाए तो इसे एक कंटेनर में डाल कर फ्रिज में रख लें। इसे आप 5-7 घंटे बाद ही इस्तेमाल कर सकती हैं।

बटर-रोज वाटर लिप बाम: इसे बनाने के लिए आपको चाहिए 1 चम्मच शिया बटर, 1 चम्मच कोकोआ बटर, 1 चम्मच नारियल तेल, आधा चम्मच शहद, कुछ बुंदें विटामिन ई तेल और गुलाब जल। छोटे कांच के कटोरे में शिया बटर, कोकोआ बटर और नारियल तेल को डालकर मिलाएं। अब इनको एक छोटे मेटलिक बर्तन में डालकर धीमी आंच पर पिघलने के लिए रखें। जब सारी सामग्री पिघल जाए तो मिश्रण को थोड़ी देर के लिए ठंडा होने दें, फिर इसमें शहद और विटामिन ई तेल डालकर अच्छे से मिला लें। आपका लिप बाम तैयार है। इसे किसी एयर टाइट कंटेनर में डाल कर फ्रिज में रख दें, कुछ समय बाद इस्तेमाल कर सकती हैं।

घी-शहद लिप बाम: लिप्स को सॉफ्ट बनाए रखने में घी और शहद का लिप बाम भी बहुत कारगर है। इसे बनाने के लिए एक बर्तन में तीन चम्मच देसी घी डालकर गैस पर धीमी आंच पर रख दें और जब घी पूरी तरह से पिघल जाए तो इसमें एक चम्मच शहद और डेढ़ चम्मच नारियल तेल मिला दें। जब यह पूरा पिघल जाए तो इस मिश्रण को एक जार में डाल कर ठंडा होने दें। ठंडा होने के बाद इसे एक कंटेनर में डाल कर फ्रिज में रख लें। दूसरे दिन से इसका यूज करें।

लखनऊ में खुलेगी देश की पहली नाइट सफारी

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को ऐलान किया है कि दिसंबर 2026 तक उत्तर प्रदेश देश को पहली नाइट सफारी का उपहार देगा। राजधानी लखनऊ में बनने जा रही यह नाइट सफारी देश और दुनिया के प्रकृति प्रेमियों के लिए एक नया गंतव्य होगा। यह दुनिया की पांचवीं नाइट सफारी होगी। मुख्यमंत्री के समक्ष मंगलवार को उनके सरकारी आवास पर उच्चस्तरीय बैठक में प्रस्तावित कुकरैल नाइट सफारी पार्क एवं जू का प्रस्तुतिकरण किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण कार्य हर हाल में जून 2026 तक पूरा कर लिया जाए। नाइट सफारी व जू के लिए वन्य जीवों के लाने की समुचित व्यवस्था प्रारंभ कर दी जाए। नाइट सफारी व जू की इकोनामी के लिए सस्टेनेबल मॉडल विकसित किया जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 72 फीसदी एरिया में ग्रीनरी विकसित की जाए और यहां सौर ऊर्जा को प्रकल्पों को भी स्थान दिया जाए।

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है नाइट सफारी

सीएम योगी ने कहा कि नाइट सफारी प्रोजेक्ट राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसके निर्माण के लिए केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली से अनुमति प्राप्त हो गई है। जनसंख्या की दृष्टि से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में दिसंबर 2026 में देश को पहली नाइट सफारी का उपहार मिलेगा। नाइट व डे सफारी का निर्माण चरणबद्ध रूप से होगा। लखनऊ में यह लगभग 900 एकड़ से अधिक में फैली होगी।

जानवरों को चिह्नित करने, यहां लाने व क्वारंटीन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाए- योगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि जानवरों को चिह्नित करने, यहां लाने व क्वारंटीन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाए। कुकरैल नाइट सफारी परियोजना के अंतर्गत ईको टूरिज्म जोन भी विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के प्रकल्पों को स्थान दिया जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि यहां क्वारंटीन सेंटर, वेटनरी हॉस्पिटल, पोस्ट ऑपरेशन व ऑपरेशन थियेटर की भी समुचित व्यवस्था हो। यहां कैफेटेरिया, 7 डी थियेटर, ऑडिटोरियम, पार्किंग आदि की भी सुविधा हो।

उन्होंने कहा कि एडवेंचर जोन के तहत सुपरमैन जिपलाइन, आर्चरी, जिप लाइन, बुरमा ब्रिज, पैडल बोट, स्काई रोलर, फाउंटेन, किड्स एक्टिविटी के लिए जंगल एनिमल थीम, स्काई साइकिल आदि विकसित किया जाए। डे सफारी का विस्तार दूसरे चरण में होगा। बैठक में प्रदेश सरकार के वन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, शासन व वन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

नाइट-डे सफारी की होगी यह विशेषता

1. नाइट सफारी क्षेत्र में इंडियन वॉकिंग ट्रे, इंडियन फुटहिल, इंडियन वेटलैंड, एरिड इंडिया व अफ्रीकन वेटलैंट की थीम पर विकसित किए जाने वाले क्षेत्र मुख्य आकर्षण होंगे।

2. पर्यटकों द्वारा नाइट सफारी पार्क के अवलोकन हेतु 5.5 किमी. ट्रामवे तथा 1.92 किमी. का पाथवे माध्यम से किया जाएगा।

3. नाइट सफारी में मुख्यतः एशियाटिक लॉयन, घड़ियाल, बंगाल टाइगर, उड़न गिलहरी, तेंदुआ, हॉयना आदि मुख्य आकर्षण होंगे।

4. कुकरैल नाइट सफारी परियोजना के अंतर्गत विश्व स्तरीय वन्य जीव चिकित्सालय व रेस्क्यू सेंटर का निर्माण भी प्रस्तावित है।

5. कुकरैल वन क्षेत्र में स्थापित होने वाले जू में कुल 63 इनक्लोजर बनाए जाएंगे।

6. जू में सारस क्रेन, स्वांप डियर, हिमालयन भालू, साउथ अफ्रीकन जिराफ, अफ्रीकन लॉयन व चिंपाजी मुख्य आकर्षण होंगे।

7. जू को अफ्रीकन सवाना, इनक्रेडिबल इंडिया, इंजीनियर्ड वेटलैंड नामक थीम क्षेत्रों पर विकसित किया जाएगा।

अब श्रीभूमि के नाम से जाना जाएगा असम का करीमगंज जिला : हिमंत बिस्वा सरमा

एजेंसी

नई दिल्ली, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को घोषणा की कि राज्य कैबिनेट ने करीमगंज जिले का नाम बदलकर 'श्रीभूमि' करने का फैसला किया है। हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर लिखा कि 100 से अधिक साल पहले, कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर ने असम में आधुनिक करीमगंज जिले को 'श्रीभूमि'- मां लक्ष्मी की भूमि के रूप में वर्णित किया था। आज असम कैबिनेट ने हमारे लोगों की इस लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा कर दिया है। कैबिनेट के फैसलों पर जानकारी देते हुए असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि असम कैबिनेट ने आज असम निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने का फैसला किया है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अपनी सहमति दे दी है।

किसानों ने 6 दिसंबर से दिल्ली चलो मार्च का किया ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली, किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) ने सोमवार को घोषणा की कि वे अपनी लंबे समय से लंबित मांगों के समर्थन में 6 दिसंबर को नई दिल्ली तक शांतिपूर्ण मार्च शुरू करेंगे। चंडीगढ़ के किसान भवन में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, किसान नेताओं ने कहा कि पंजाब में हरियाणा और राजस्थान के रतनपुर के साथ शंभू और खनौरी सीमाओं पर किसानों का धरना सोमवार को 280 दिन पूरे कर चुका है, लेकिन केंद्र की सरकार ने किसानों और खेत मजदूरों की मांगों को पूरा करने से इनकार कर दिया है। 13 फरवरी को तीन स्थानों पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था, जब किसानों और खेत मजदूरों ने अपना दिल्ली चलो मार्च शुरू किया था, लेकिन उन्हें हरियाणा सीमा पर रोक दिया गया था। किसान मजदूर संघर्ष समिति (केएमएससी) के प्रमुख जगजीत सिंह डल्लेवाल ने घोषणा की कि वह 26 नवंबर को अनिश्चितकालीन उपवास पर बैठेंगे और अगर मांगें पूरी नहीं हुईं या सरकार बातचीत के लिए आगे नहीं आई, तो दिल्ली तक मार्च शुरू किया जाएगा।

मौसम

अधिकतम तापमान 33.c

न्यूनतम तापमान 24.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 81,634.72

निफ्टी 25,013.85

संक्षिप्त समाचार

सावरकर मानहानि मामले में राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ी

- 2 दिसंबर को पुणे कोर्ट में पेश होने का समन

एजेंसी

नई दिल्ली, पुणे में संसद सदस्यों, विधानसभा सदस्यों (एमपी/एमएलए) के लिए एक विशेष अदालत ने एक आदेश पारित किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को स्वतंत्रता सेनानी और हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर को कथित रूप से बदनाम करने के उनके खिलाफ मामले के संबंध में 2 दिसंबर, 2024 को व्यक्तिगत रूप से पेश होना चाहिए।

राहुल गांधी को 2 दिसंबर को पुणे कोर्ट में पेश होने का समन

पुणे की एक अदालत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हिंदुत्व के प्रतीक वीडी सावरकर के पोते द्वारा उनके खिलाफ दायर मानहानि की शिकायत के संबंध में 2 दिसंबर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया। सत्यकी सावरकर ने पुणे की एक अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें दावा किया गया था कि गांधी ने मार्च 2023 में लंदन में अपने भाषण में कहा था कि सावरकर ने एक किताब में लिखा है कि उन्होंने और उनके पांच-छह दोस्तों ने एक बार एक मुस्लिम व्यक्ति की पिटाई की थी और उन्हें (सावरकर को) खुशी हुई थी। याचिका के अनुसार, सावरकर ने ऐसा कहीं नहीं लिखा है।

मणिपुर में कुकी उग्रवादियों की अब खैर नहीं

आरएसएस ने भी राज्य के हालात पर गंभीर चिंता जताई

एजेंसी

मणिपुर, मणिपुर की स्थिति पर केंद्र सरकार लगातार निगाह बनाये हुए है साथ ही राज्य सरकार को साफ निर्देश दिये हैं कि उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाये। इस काम में राज्य सरकार की मदद के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल भी भेज दिये गये हैं। आरएसएस ने भी केंद्र और मणिपुर सरकार से कहा है कि शांति व्यवस्था को जल्द से जल्द कायम किया जाना चाहिए। इस बीच, राज्य सरकार ने जिरीबाम मामले की जांच के लिए एक समिति गठित कर दी है ताकि लोगों का आक्रोश कुछ शांत हो। इसके अलावा

एनपीपी की ओर से मणिपुर सरकार से समर्थन वापस लिये जाने के बाद एनडीए विधायकों की बैठक हुई जिसमें राज्य सरकार का मजबूती से समर्थन करने का संकल्प दोहराया गया और कुकी उग्रवादियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान शुरू करने पर सहमति बनी।

हम आपको बता दें कि मणिपुर में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के विधायकों की एक बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें जिरीबाम जिले में तीन महिलाओं और तीन बच्चों की हत्या के लिए जिम्मेदार कुकी उग्रवादियों के खिलाफ सात दिन में बड़े पैमाने पर अभियान चलाने का आह्वान किया गया। हम आपको बता दें कि सोमवार रात को हुई इस बैठक में 27 विधायकों ने भाग लिया।

मेडिकल इमरजेंसी की चपेट में उत्तर भारत

सो रहे देश के पर्यावरण मंत्री : गोपाल राय

एजेंसी

नई दिल्ली, दिल्ली का प्रदूषण गंभीर स्थिति में है। वहीं, पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने भाजपा औक केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। गोपाल राय ने कहा कि प्रदूषण की गंभीर स्थिति को लेकर आपातकालीन बैठक बुलाने के संबंध में दिल्ली सरकार के लगातार अनुरोध के बावजूद भाजपा के पर्यावरण मंत्री सो रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से एक बार फिर प्रदूषण पर आपात बैठक बुलाने और कृत्रिम बारिश की अनुमति देने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हस्तक्षेप करना चाहिए, कार्रवाई करना उनकी नैतिक जिम्मेदारी है तथा केंद्र को प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने चाहिए। गोपाल राय ने कहा कि ग्रैप को पूरे उत्तर भारत में लागू किया जाना चाहिए,

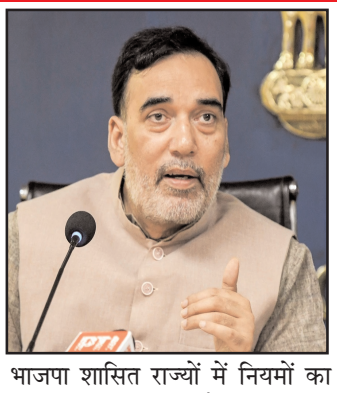

भाजपा शासित राज्यों में नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम लगातार काम कर रहे हैं। हमने इर-क्लास पेट्रोल चार पहिया वाहनों, इर-क्लास डीजल वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया है। बाहर से आने वाले सभी ट्रक, डीजल बसों पर रोक लगा दी गई है. 10वीं और 12वीं के लिए भी स्कूल बंद कर दिए गए हैं. तीसरा, कार्यालयों के लिए समय अलग-अलग कर दिया गया है। रही बात वर्क फ्रॉम होम की तो हम उस पर भी काम कर रहे हैं। जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। हम उस पर अमल भी करेंगे। आप नेता ने कहा कि हम उन सभी चीजों पर काम कर रहे हैं जो हमारे हाथ में हैं और हम ऐसा करना जारी रखेंगे। हम केंद्रीय पर्यावरण मंत्री के साथ एक आपात बैठक की मांग कर रहे हैं ताकि हम जमीन पर सभी कार्रवाई कर सकें। हम ऑड-ईवन पर भी चर्चा कर रहे हैं लेकिन अब एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि हमने इतनी पाबंदियां लगा दी हैं, लोग अब विचार कर रहे हैं कि इसका कितना असर होगा। उन्होंने कहा कि पूरा उत्तर भारत मेडिकल इमरजेंसी की चपेट में है। राय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार को इस तरह से देश के लोगों की जान खतरे में डालने का अधिकार नहीं है। इस पर काम करना होगा. दिल्ली सरकार अपने स्तर पर जो भी काम कर सकती है, कर रही है।

महाराष्ट्र चुनाव : विनोद तावड़े के बचाव में उतरी भाजपा, विपक्ष पर लगाया उन्हें बदनाम करने का आरोप

एजेंसी

मुंबई, महाराष्ट्र चुनाव को लेकर कल वोट डाले जाने हैं। मंगलवार को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े पर नकदी बांटने का आरोप लगने के बाद एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। ये आरोप बहुजन विकास अघाड़ी (बीवीए) नेता हितेंद्र ठाकुर ने लगाए। उन्होंने तावड़े पर महाराष्ट्र के पालघर जिले के विरार स्थित विवांता होटल में मतदाताओं को लुभाने के लिए नकदी बांटने का आरोप लगाया था। विनोद तावड़े ने इसको लेकर पूरी सफाई दी है। वहीं, भाजपा अब विनोद तावड़े के बचाव में उतर चुकी है। बीजेपी सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि महाराष्ट्र में, एमवीए द्वारा अंतिम प्रयास के रूप में एक निराधार आरोप लगाया गया है। विनोद तावड़े हमारे राष्ट्रीय सचिव हैं और पार्टी के कई कार्यों की देखरेख कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार ने उनसे बैठक में भाग लेने के लिए कहा। वो पास से गुजर रहा था तो मान गया. ऐसी बैठकें पार्टी कार्यकर्ताओं को मतदान प्रक्रिया के संबंध में निर्देश देने के लिए की जाती हैं। हमारा आग्रह है कि होटल और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी की जांच की जाए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि 5 करोड़ रुपये जेब में नहीं लाये जा सकते। अगर कोई इसे ले जा रहा होगा तो यह दिखाई देगा। उन्हें सबूत दिखाना चाहिए न कि बेबुनियाद आरोप लगाना चाहिए। महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले ने कहा कि आज, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव, विनोद तावड़े जी नालासोपारा में स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रहे थे ताकि उन्हें कल के लिए क्या करें और क्या न करें के बारे में समझाया जा सके।

संसद के शीतकालीन सत्र को लेकर सरकार ने शुरू की तैयारी

- रविवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को घोषणा की कि सरकार संसद के शीतकालीन सत्र से पहले 24 नवंबर को संसदीय सौध में एक 'सर्वदलीय बैठक' आयोजित करेगी। एक्स को संबोधित करते हुए, रिजिजू ने कहा कि संसद के आगामी शीतकालीन सत्र के मद्देनजर 24 नवंबर को सुबह 11 बजे मुख्य समिति कक्ष, संसदीय सौध में एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की जाएगी। इससे पहले रिजिजू ने कहा था कि शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होगा और 20 दिसंबर तक चलेगा। रिजिजू ने कहा था कि भारत सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने शीतकालीन सत्र, 2024 के लिए संसद के दोनों सदनों को 25 नवंबर से 20 दिसंबर, 2024 तक बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

मलयालम अभिनेता सिद्दीकी को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मलयालम अभिनेता सिद्दीकी को एक अभिनेत्री द्वारा 2016 की घटना में उनके खिलाफ दर्ज कथित यौन उत्पीड़न के मामले में अग्रिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि अनुभवी अभिनेता को अपना पासपोर्ट जमा करना होगा और जांच में जांच अधिकारी के साथ सहयोग करना होगा। यह शिकायत न्यायमूर्ति हेमा आयोग की रिपोर्ट का नतीजा थी, जिसमें मलयालम सिनेमा में महिला कलाकारों द्वारा सामना किए जाने वाले यौन उत्पीड़न और भेदभाव का विवरण दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले में शिकायत 2016 में हुई कथित घटना के आठ साल बाद अगस्त में दर्ज की गई थी। 30 सितंबर को अदालत ने सिद्दीकी को मामले में गिरफ्तारी से अंतरिम राहत दी थी। केरल पुलिस ने सिद्दीकी की ओर से जांच में सहयोग की कमी का आरोप लगाया है। केरल पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने अपनी स्थिति रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि दिग्गज अभिनेता जांच में बाधा डाल रहे हैं

कार्यालय पंजीयक लोक न्यास अनुविभाग अम्बिकापुर सरगुजा (छ०ग०)

प्ररुप-चार

(नियम 5(1) देखिए)

छत्तीसगढ़ लोक न्यास अधिनियम 1951 (1951 का 30) की धारा 5 की उपधारा (2) तथा छत्तीसगढ़ लोक न्यास नियम 1962 के नियम 5 का उप नियम (1) देखिए।

अम्बिकापुर दिनांक 18/11/2024

कमांक 5707/वाचक-1/2024 यह की डॉ. रवीन्द्र कुमार पाठक आ० स्व. रामशंकर पाठक, उम्र-64 वर्ष निवासी एम.आई.जी.-87 हाउसिंग बोर्ड कालोनी गया जिला-गया (बिहार) हाल मुकाम वार्ड नंबर-24 मकान नंबर-224 भट्ठी रोड, गीता पब्लिक स्कूल के पास केदारपुर अंबिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) ने छ०ग० लोक न्यास अधिनियम 1951 (1951 का 30) की धारा 4 के अधीन अनुसूची मे लोक न्यास की तरह विनिर्दिष्ट की गई सम्पत्ति के पंजीयन के लिए आवेदन किया है। एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि आवेदन मेरे न्यायालय में दिनांक 19/12/2024 को विचार के लिए लिया जाएगा। अतः मै फागेश सिन्हा, अनुविभाग अम्बिकापुर के लोक न्यासों के पंजीयक अपने न्यायालय मे दिनांक 19/12/2024 को उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) में अपेक्षित जांच करना प्रस्तावित करता हूँ। अतः एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त न्यास या सम्पत्ति का कोई न्यासधारी या कार्यकारी न्यासधारी या उसमें हित रखने वाले और किसी मत या सुझाव प्रस्तुत करने का विचार रखने वाले व्यक्ति को इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से एक माह के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन प्रस्तुत करें और मेरे न्यायालय मे समक्ष मे उपरोक्त दिनांक को या तो व्यक्तिशः या अभिभाषक या अभिकर्ता के द्वारा उपस्थित होना चाहिए। उपरोक्त अवधि समाप्त होने के पश्चात प्राप्त आपत्तियों को विचार के लिए ग्रहण नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

(लोक न्यास का नाम पता व सम्पत्ति का विवरण)

1. लोक न्यास का नाम व पता

पता-वार्ड नं.-24 मकान नंबर-224 भट्ठी रोड गीता पब्लिक स्कूल के पास केदारपुर अम्बिकापुर तहसील-अंबिकापुर

2. जिला सरगुजा निरंक

3. चल सम्पत्ति निरंक

4. अचल सम्पत्ति निरंक

जारी दिनांक 18/11/2024

"योगमाया न्यास"

(फागेश सिन्हा) पंजीयक लोक न्यास

अनुविभाग अम्बिकापुर अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष

ग्राम - प.ह.न.

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अखिलेश्वर राजवाड़े पिता बोधी राजवाड़े जाति रजवार निवासी ग्राम सिरसी प.ह.न. 14 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के डु पुत्र / पुत्री कु० संध्या राजवाड़े आ अखिलेश्वर राजवाड़े का जन्म दिनांक 14/9/2016 को ग्राम. ..में हुई है. अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र/पुत्री कु 0 संध्या राजवाडे आ अखिलेश्वर राजवाड़े का जैन पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत सिरसी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है जिसके संबंध में प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।. अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 25/11/24 तक अपना आपत्तिं इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक जारी किया गया। 20/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया

कार्यपालिक दंडाधिकारी भैयाथान जिला सूरजपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला- सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र0202411021700025/ ब-121/2023-24

//इश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुनील ओझा आ० देवेन्द्र ओझा, निवासी ग्राम सरगवां, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम सरगवांस्थित भूमि खसरा नंबर 44/5 रकबा 0.350 हे0 में से 80 डिसमिल भूमि अपने भरण पोषण एवं ईलाज हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक सुब्रत सरदार आ० रामलाल सरदार, निवासी ग्राम सरगवां, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) को रू 6,00,000/- (छः लाख रुपए) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06/12/2024 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 19/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से

नायब तहसीलदार, अम्बिकापुर-02

न्यायालय नायब तहसीलदार रा.नि. मंडल अम्बिकापुर-3 के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202411022900010/

मामले की श्रेणीः- राजस्व

सनः- 2024-2025

विषयः- अ-6

मायापुर (प ह न. 00014),

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार बिरेन्द्र कुमार सोनी,

अनावेदक पक्षकार -लालमोहन.

ईश्तहार

आवेदक बिरेन्द्र कुमार सोनी आ० स्व० लालमोहन सोनी अन्य 2 सभी निवासी मायापुर तहसील अम्बिकापुर के द्वारा ग्राम मायापुर स्थित भूमि खसरा नम्बर 26/1, 27. 29, 30/1 कुल 04 प्लाट का वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 12.12.2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 18/11/2024 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-03

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

(निर्माण संगठन)

निविदा क्र.: सी.ई.सी/बी.एस.पी./24-25/12, दिनांक : 08.11.2024

(ओपन-टेंडर) (टू पैकेट सिस्टम)

कार्य: दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे के बिलासपुर डिविजन की अनुपपुर - कटनी तीसरी लाइन के निर्माण - के संबंध में ए.पी.आर.(इन) - ए.ए.एल(इन), एस.एन.जी.पी.(इन)-एम.डी.एक्स.आर.(एक्स), एल.ओ.ए. (इन).- सी.एच.डी. (एक्स) के मध्य बचा हुआ कार्य जैसे साइड ड्रेन, रिटेयनिंग वाल / टो वाल, सैस रिपेयर, पीचिंग कार्य, अर्थ वर्क, अतिरिक्त दृश्यता के लिए अतिरिक्त चौड़ीकरण में मिट्टी का कार्य, ड्रेन से गाद हटाना, पी. वे मरम्मत कार्य और अन्य संबद्ध विविध कार्यों के निष्पादन सहित संबन्धित विभिन्न कार्य के हेतु। **निविदा मूल्य:** रु. 24,40,48,565.40/- **अमानत राशि:** रु. 13,70,300.00/- **निविदा दस्तावेज़ की लागत:** शून्य। **कार्य पूरा होने की अवधि** : 12 (बारह) माह, स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से। **निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक** : 30/11/2024 को 12:00 बजे तक। **निविदा खोलने का समय एवं दिनांक** : 30/11/2024 को 12:30 बजे।

विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) / दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर - पिन - 495004 अथवा उप- मुख्य अभियंता /निर्माण/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर -पिन : 492009 अथवा मुख्य परियोजना प्रबन्धक / पश्चिम / निर्माण /नागपुर / दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर पिनः 440001 के कार्यालय में संपर्क करे अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर देख सकते है।

उप-मुख्य अभियंता/निर्माण

सीपीआर/**10/AM/332** **द.पू.म.रेलवे / बिलासपुर**

South East Central Railway @secrail

कल के भविष्य हैं बच्चे ये सुरक्षित हैं तो हमारा भविष्य भी है सुरक्षित : मनोज

रामानुजनगर महाविद्यालय व कन्या माध्यमिक विद्यालय में हुआ बाल विवाह और बाल संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के रामानुजनगर स्थित महाविद्यालय एवं क. उ. मा. विद्यालय में बाल विवाह और बाल संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देश, जिला कार्यक्रम अधिकारी रमेश साहू के मार्गदर्शन में जिले में बाल विवाह और बाल संरक्षण के विभिन्न विषयों पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। यूनिसेफ़ और महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बाल विवाह और बाल संरक्षण के महत्वपूर्ण विषयों पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों को बाल विवाह की हानियों और बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल ने विद्यार्थियों को बताया कि बच्चे ही कल के भविष्य हैं, ये सुरक्षित हैं तो हमारा भविष्य भी सुरक्षित है, पॉक्सो एक्ट में बच्चों को लैंगिक अपराध से बचाने के लिए प्रावधान दिये गये हैं, बच्चों को गलत तरीके से

घूरना, पीछा करना, रास्ता रोकना, ग़लत चित्र दिखाना, गलत तरीके से छुना भी अपराध है, गुड टच बैड टच के बारे भी विस्तृत जानकारी दी गई, पॉस्को से बचने के लिए चार चीज़ो के बारे में बताया गया नो- मतलब विरोध करना, गो- मतलब भागना, टेल-मतलब बोलना, इसके बारे में बताया गया। सोशल मीडिया के उपयोग कितना करना है सोशल मीडिया माध्यम से होने वाले साइबर क्राइम से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी। इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए इसके बारे जानकारी दी गई , घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 के बारे जानकारी दी गई ,जेजे एक्ट में बच्चों को नशे से बचाने के लिए नए प्रावधान दिये गये हैं जिसमें धारा 77 और 78 यदि कोई बच्चे को नशा कराता है या नशे का समान बेचता है उसे एक लाख रुपये जुर्माना व दो वर्ष के सजा का प्रावधान है, चुप्पी तोड़ो गतिविधि से बच्चो को बोलने के लिये प्रेरित किया गया। जायसवाल ने चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर 1098,181,112 एवं साइबर क्राइम और नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियानों के बारे में जानकारी दी।

यूनिसेफ़ के ज़िला समन्वयक प्रथमेश मानेकर ने विद्यार्थियों के साथ बाल विवाह मुक्त सूरजपुर अभियान पर जानकारी दी। इस कार्यक्रम में बाल विवाह की परिभाषा, इसके कारण, नकारात्मक प्रभाव और रोकथाम के उपायों पर विस्तार से चर्चा की इसके साथ भी शाला त्यागी बच्चों, बच्चों की सही परवरिश बच्चों के अधिकार और सोशल मीडिया के प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को बाल विवाह रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने की प्रेरणा दी और उने बाल विवाह रोकने के एम्बेसडर कहा। चाइल्ड लाइन से शीतल सिंह ने चाइल्ड लाइन की सेवाओं के बारे में जानकारी दी और 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन और 100 पुलिस हेल्पलाइन जैसी टोल-फ्री सेवाओं की जानकारी साझा की। सखी सेंटर से केंद्र प्रशासक विनीता सिन्हा द्वारा सखी वन स्टॉप सेंटर के बारे बताया इसमें सभी प्रकार की हिंसा से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही स्थान पर अस्थायी आश्रय, पुलिस-डेस्क, विधि सहायता, चिकित्सा एवं काउन्सलिंग की सुविधा वन स्टॉप सेन्टर में उपलब्ध होती है। एक ही छत के नीचे हिंसा से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को एकीकृत रूप से सहायता एवं सहयोग प्रदाय करता है इसके बारे में विस्तार से बताया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य आर. के. साहू, प्राचार्य प्रजापति कन्या विद्यालय रामानुजनगर, चाइल्ड हेल्पलाइन से कु.शीतल सिंह परामर्शदाता, आउटरीच वर्कर पवन दीवान, विद्यालय से सभी शिक्षक, शिक्षिका वर्ग एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

अवैध भंडारण कर रखा गया 2 सौ क्विंटल धान जप्त

राजस्व, खाद्य व मंडी की संयुक्त टीम ने की कार्रवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस.जयवर्धन के निर्देश पर जिले में अवैध धान के भंडारण, परिवहन व बिक्री पर रोक लगाने के लिए निरीक्षण दल का गठन किया गया है। जो जिले के कोचियों-बिचौलियों के गोदामों के साथ-साथ सभी संदिग्ध स्थान पर सतत् नज़र रखे हुए हैं और लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। जिसके परिणाम स्वरूप बुधवार को राजस्व, खाद्य व मंडी की संयुक्त टीम के द्वारा अवैध धान भंडारण को लेकर एक और बड़ी जब्ती की कार्यवाही की गई है। बताया गया है कि ग्राम गोविंदपुर में सत्यम नाम के व्यक्ति ने अपने निवास में लगभग 6 सौ बोरी धान का भंडारण किया हुआ था। सूचना मिलने पर जब संयुक्त टीम वहां पहुंची तो उन्हें 200 बोरी सूखा धान वहाँ प्राप्त हुआ। जब उन्होंने संबंधित व्यक्ति से उसके धान के रकबे के सम्बंध में जानकारी ली तो पाया गया कि उसकी जमीन 0.160 हैक्टेयर है और उसके द्वारा मंडी से बिना लाईसेंस लिये धान की खरीदी की जा रही है। संयुक्त टीम के द्वारा प्रकरण बनाकर अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रस्तुत किया गया है जिसमें मंडी अधिनियम के तहत आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

महाविद्यालय के सांसद प्रतिनिधि बने संजू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां के शासकीय रेवती रमन महाविद्यालय में

जनभागीदारी समिति हेतु सांसद चिंतामणि महाराज ने प्रतिनिधी का मनोनयन करते हुए संजू सोनी को अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। भाजयुमो नेता संजू सोनी की इस नियुक्ति से उनके समर्थकों में हर्ष का माहौल है।

गांजा के अवैध व्यापार में संलिप्तता पर गिरफ्तार किया गया 1 और आरोपी, पूर्व में दो आरोपी किये जा चुके है गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। एसएसपी प्रशांत ठाकुर के निर्देश पर जिले के थाना-चौकी की पुलिस अवैध कारोबार पर लगातार कार्यवाही करने में लगी हुई है और नशे के धंधे में संलिप्त लोगों की धरपकड़ कर रही है। पूर्व में 4 नवम्बर को बसदेई पुलिस ने रेलवे स्टेशन सूरजपुर रोड के गाड़ी पार्किंग से करमबीर कुमार पाटिल उर्फ छोटू से 1 लाख रूपये कीमत का 5 किलो गांजा जप्त कर धारा 20बी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर उसे

गिरफ्तार किया गया था। आरोपी से पूछताछ से मिले अहम सुराग के आधार पर गांजा का अवैध व्यापार करने में संलिप्तता एवं अवैध व्यापार वित्त पोषण करने तथा आरोपी को संश्रय देने एवं सहायता करने के मामले में धारा 27(क), 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोपी झारसुगड़ा उड़ीसा निवासी मनोज कुमार सिंह को भी गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में आरोपी अजय गुप्ता ग्राम बुन्दिया, थाना भटगांव के द्वारा भी पूर्व में पकड़े गए आरोपी करमबीर पाटिल को मादक पदार्थ का अवैध व्यापार करने में संलिप्तता, वित्त पोषण तथा आरोपी को संश्रय देते हुए सहायता करना पाए जाने पर उसे घेराबंदी कर बुधवार को पकड़ा गया। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी बसदेई विजय सिंह, एएसआई संजय सिंह, प्रधान आरक्षक आनंद सिंह, आरक्षक नीलेश जायसवाल, अभय तिवारी, प्रदीप सोनवानी व देवदत्त दुबे सक्रिय रहे।

मिलजुल कर कार्य करने से जिले के विकास की दिशा होगी सकारात्मक : चिंतामणि

सांसद ने ली जिला अधिकारियों की बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बुधवार को सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज जिले के लिए प्रवास पर थे। जहां उन्होंने जिले के सर्वांगिण विकास पर कलेक्ट्रेट कक्ष में कलेक्टर एस जयवर्धन व अन्य जिला अधिकारी के साथ चर्चा की। बैठक में सड़क, बिजली, उचित मूल्य दुकान, शिक्षा, जल जीवन मिशन व राजस्व संबंधित प्रकरण को लेकर संबंधित विभाग प्रमुख के साथ चर्चा की गई। सांसद ने विशेष रूप से जिले के दूरस्थ अंचल क्षेत्र चांदनी बिहारपुर में निवासरत लोगों की मूलभूत जरूरतों की पूर्ति हेतु आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित

अधिकारियों को दिए। उन्होंने पेयजल पर विशेष फोकस करने की बात कही और जल जीवन के तहत प्रत्येक घर को स्वच्छ जल प्राप्त हो इसके लिए पीएचई के अभियंता को सतत मॉनिटरिंग के साथ युद्ध स्तर पर कार्य कराने का निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के सर्वांगीण विकास को लेकर राज्य व केंद्र के विभिन्न योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए शासन व प्रशासन को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करना होगा। उन्होंने आगे कहा जनप्रतिनिधि व अधिकारी एक दूसरे का पूरक है, मिलजुल कर कार्य करने से जिले की विकास दिशा सकारात्मक होगी।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, क्रेडा, खाद्य, वन व शिक्षा विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संस्कारवान और प्रगतिशील समाज के लिए शिक्षा के साथ बेहद आवश्यक है संस्कार : सांसद

शा.उ.मा.वि. सिलफिली में हुआ वार्षिकोत्सव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बुधवार को शा.उ.मा. विद्यालय सिलफिली में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन सांसद चिंतामणि महाराज के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। इस कार्यक्रम के दौरान सरस्वती वंदना नृत्य, गुरु दक्षिणा नाटक, छत्तीसगढ़ी नृत्य, बिहू नृत्य, कत्थक नृत्य, हरिणवी नृत्य, देशभक्ति नाटक, गरबा नृत्य, टॉलीवुड नृत्य और

कव्वाली गायन की प्रस्तुति सत्यम, शिवम,सुंदरम और मधुरम समूह द्वारा दी गई।

इस अवसर पर बाबूलाल अग्रवाल व अन्य जनप्रतिनिधि, विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती विनीता यादव एवं विद्यालय के शिक्षकों समेत समस्त विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

इस दौरान सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सबसे बड़ा धन विद्या धन है और समाज के विकास में शिक्षा बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हम जिस संस्कारवान और प्रगतिशील समाज की कल्पना करते हैं उसके लिए शिक्षा के साथ संस्कार बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा शिक्षा ही एकमात्र ऐसा धन है जिसे खर्च करने पर बढ़ता है। संस्कार विहीन समाज से सभी तरफ अव्यवस्था फैलती है। इसलिए हमें निरंतर संस्कारवान और शिक्षित समाज के निर्माण के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में बच्चों के प्रस्तुति को देखते हुए उनके बेहतर भविष्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

आंबा केन्द्रों का समयबद्ध तरीके से नियमित एवं सुव्यस्थित करें संचालन : जयवर्धन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस जयवर्धन की अध्यक्षता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें कलेक्टर द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों का समयबद्ध तरीके से नियमित एवं सुव्यस्थित संचालन हेतु निर्देशित किया गया। पर्यवेक्षकों को उनके अधिनस्थ आंगनबाड़ी केन्द्रों का शत् प्रतिशत केन्द्रों का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। बच्चों को आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से स्कुल पूर्व गुणवत्तापूर्ण अनौपचारिक शिक्षा प्रदान करने हेतु निर्देशित किया गया। जिले अंतर्गत गंभीर कुपोषित बच्चों को शासन की योजना मुख्यमंत्री बाल संदर्भ, एन0आर0सी0 एवं सी0सेम0 आदि से शत् प्रतिशत लाभान्वित

करने हेतु निर्देशित किया गया। पोषण ट्रेकर एप्प में शत् प्रतिशत बच्चों की एण्ट्री एवं दैनिक गतिविधियों की एण्ट्री हेतु निर्देशित किया गया। केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना अंतर्गत पण्डो जनजाति को 100 प्रतिशत लाभान्वित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। आम जनों को आधार, बैंक खाता एवं जागरूकता कार्यक्रम किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। महतारी वंदना योजना अंतर्गत छूटे हुए पात्र हितग्राहियों को चिन्हांकित कर उन्हें ऑनलाइन ऑप्शन खुलने पर ऑनलाईन इंद्राज किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। महिलाओं एवं बच्चों हेतु संचालित सभी योजनाओं की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को चिन्हांकित कर वर्ष के अंतिम सप्ताह में आयोजन कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। सभी भवन विहीन आंगनबाड़ी भवनों का चिन्हांकन कर उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिए गए। पोषण ट्रैकर एप्प में शत प्रतिशत एण्ट्री के साथ नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, बाल विकास परियोजना अधिकारी, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, संरक्षण अधिकारी नवा बिहान, पर्यवेक्षक एवं केन्द्र प्रशासक सखी उपस्थित रहे।

दिवंगत पंचायत सचिव की पत्नी को दी गई 30 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। दिवंगत पंचायत सचिव कृष्ण प्रसाद सोनी की पत्नी श्रीमती संतरा देवी सोनी को 30 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई। यह सहायता जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदनी साहू द्वारा दी गई, जो एक्सिस बैंक द्वारा पंचायत सचिवों के लिए दुर्घटना मृत्यु बीमा योजना के तहत थी। यह योजना ग्राम पंचायत सचिवों के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच प्रदान करती है, जिससे उनके परिवारों को आर्थिक सुरक्षा मिलती है। शासन स्तर पर एक्सिस बैंक में सभी ग्राम पंचायत सचिवों के वेतन खातों के लिए एक एमओयू किया गया था, जिसमें खाताधारक के नॉमिनी को 30 लाख रुपये का दुर्घटना मृत्यु बीमा देने का प्रावधान है। कृष्ण प्रसाद सोनी की दुर्घटना में मृत्यु होने के बाद, उनकी पत्नी श्रीमती संतरा देवी सोनी को यह सहायता राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर एक्सिस बैंक के अधिकारी शाखा उपप्रबंधक अविश अम्बस्थ, क्लस्टर हेड पार्थो सिन्हा, बीएसएम सतपाल सिंह और शासकीय रिलेशनशिप मैनेजर रविन्द्र पाल उपस्थित थे।

जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर लगा गोंड व चेरवा समाज एवं अंबेडकर क्रांति सेना ने किया 30 यूनिट रक्तदान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां जिला अस्पताल में गोंड व चेरवा समाज तथा अंबेडकर क्रांति सेना छग ने रक्तदान शिविर का आयोजन कर 30 यूनिट रक्त जरूरतमन्दों के लिए दान किया है।

समाज प्रमुखों ने बताया कि आय दिन मरीजों को

रक्त की जरूरत पड़ती है। जरूरतमंद मरीज व उनके परिजनों के द्वारा अपने समाज प्रमुखों से मदद मांगते है। जिसे ध्यान में रखकर बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर गोंड व चेरवा समाज एवं अंबेडकर क्रांति सेना के द्वारा नि:शुल्क रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 30 यूनिट रक्तदान किए। रक्तदान करने वाले आनंद सिंह, गगन सिंह, तुलेश्वर पैकरा, रघुप्रताप सिंह टेकाम, विजय रक्सेल, सियाराम सोनपाकर, ईश्वरचंद चेरवा, मधुसूदन चेरवा, बंशबहादुर नागवंशी, राजेश कुमार सिंह, फलेश्वर सिंह, कमलकांत सिंह, अभिषेक साहू, अर्पित सिंह, अंकित पैकरा, सत्य नारायण सिंह स व आदिवासी समाज ब्लॉक अध्यक्ष भैयाथान, विनय पावले सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग ब्लॉक अध्यक्ष भैयाथान, रामकुमार बंछोर सर्व आदिवासी समाज प्रदेश उपाध्यक्ष (छ.ग), संदीप कुशवाहा युवा अध्यक्ष कुशवाहा समाज × सामाजिक कार्यकर्ता, कृष्णा नारायण प्रताप चेरवा जिला अध्यक्ष शामिल है।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी (सा.) मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.)

नीलाम विज्ञापन

सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि मनेन्द्रगढ वनमण्डल के काष्ठागार मनेन्द्रगढ़ में दिनांक 27-11-2024 को ईमारती काष्ठ/जलाऊ चट्टा एवं ट्रक व बोलोरो टायर, जप्त सायकल का अधोलिखित विवरण के अनुसार प्रातः 09:00 बजे से नीलाम किया जाना प्रस्तावित है। इच्छुक व्यक्तियों से अनुरोध है कि वे नीलाम में भाग लेवें। नीलाम शर्त एवं जानकारी कार्यालय से अथवा नीलाम स्थान से प्राप्त किया जा सकता है।

क्रेताओं को सलाह दी जाती है कि बोली बोलने के पूर्व प्रत्येक लॉट का भली-भांति निरीक्षण कर लेवें तथा संतुष्टि उपरांत ही बोली लगायें। नीलाम के समय घोषित मात्रा सही व अंतिम रूप से मान्य होगी।

क्र0	प्रजाति	नये काष्ठ		पुराने काष्ठ	
		लट्ठा घ0मी0	बल्ली नग	लट्ठा घ0मी0	बल्ली नग
1	सागौन	1.176	179	3.682	416
2	साल	0.071	170	240.025	597
3	खम्हार	11.178	45	0	0
4	सतकठा	0	0	2.093	13
5	तिंसा	0	0	0.074	3
6	साजा	0	0	11.650	0
7	हल्दू	0	0	3.310	16
8	धावड़ा	0	0	2.685	1
योग:-		12.425	394	263.519	1046
1	जलाऊ मिश्रित	100 चट्टा नया		-	

उपयोग शुदा टायर

क्र.	उपयोग शुदा टायर का विवरण	नया लॉट टायर संख्या नग में	पुराना लॉट टायर संख्या नग में
1	ट्रक टायर	70 नग	-
2	बोलोरो टायर	34 नग	-
योग :-		104 नग	-

जप्त सायकल

क्र.	विवरण	नया लॉट	पुराना लॉट
1	सायकल	25 नग	-

टीप :- 1. ईमारती काष्ठ की नीलामी पहले 09.00 बजे प्रातः में की जावेगी तत्पश्चात् जलाऊ चट्टों की नीलामी की जावेगी।
2. छत्तीसगढ़ राज्य के किसी भी वनमंडल का पंजीकृत ठेकेदार ही नीलाम में भाग ले सकेंगे।
3. समस्त क्रेता को आयकर पेन कार्ड, वाणिज्य कर का जी.एस.टी. रजिस्ट्रेशन एवं छ.ग. राज्य के किसी वनमण्डल का वर्ष 2024 के व्यापारी का रजिस्ट्रेशन की प्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
4. कृपया क्रेता ईमारती एवं जलाऊ का ई.एम.डी. राशि का अलग-अलग चेक देवें।

वन मण्डलाधिकारी
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल,
मनेन्द्रगढ़

जी-242503884/8

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी (सा.) मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.)

नीलाम विज्ञापन

सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि मनेन्द्रगढ वनमण्डल के काष्ठागार जनकपुर में दिनांक 28-11-2024 को नया पुराना सागौन, साल ईमारती काष्ठ/जलाऊ चट्टा का अधोलिखित विवरण के अनुसार प्रातः 10:00 बजे से नीलाम किया जाना प्रस्तावित है। इच्छुक व्यक्तियों से अनुरोध है कि वे नीलाम में भाग लेवें। नीलाम शर्त एवं जानकारी कार्यालय से अथवा नीलाम स्थान से प्राप्त किया जा सकता है।

क्रेताओं को सलाह दी जाती है कि बोली बोलने के पूर्व प्रत्येक लॉट का भली-भांति निरीक्षण कर लेवें तथा संतुष्टि उपरांत ही बोली लगायें। नीलाम के समय घोषित मात्रा सही व अंतिम रूप से मान्य होगी।

क्र	प्रजाति	नये अविक्रित काष्ठ		पुराने अविक्रित काष्ठ			
		लट्ठा	बल्ली	लट्ठा		बल्ली	
		नग	घ0मी0	नग	घ0मी0	नग	घ.मी.
1	2	3	4	5	6	7	8
1	सागौन	350.000	1500	1597	105.567	2277	38.688
2	साल	150.000	150	8064	825.766	2335	61.312
3	हल्दू	0.250	0	3	0.399	0	0.000
4	साजा	0.250	0	77	7.400	31	0.828
5	धावड़ा	0.000	0	0	0.000	3	0.083
6	बीजा	0.000	0	4	0.337	4	0.205
7	सत्कठा	2.000	25	0	0	0	0
	योग:-	502.500	1675	9745	939.469	4650	101.116
8	मिश्रित जलाऊ	350 चट्टा नया जलाऊ		-			

टीप :- 1. ईमारती काष्ठ की नीलामी पहले 10.00 बजे प्रातः में की जावेगी तत्पश्चात् जलाऊ चट्टों की नीलामी की जावेगी।
2. छत्तीसगढ़ राज्य के किसी भी वनमंडल का पंजीकृत ठेकेदार ही नीलाम में भाग ले सकेंगे।
3. समस्त क्रेता को आयकर पेन कार्ड, वाणिज्य कर का जी.एस.टी. रजिस्ट्रेशन एवं छ.ग. राज्य के किसी वनमण्डल का वर्ष 2024 के व्यापारी का रजिस्ट्रेशन की प्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
4. कृपया क्रेता ईमारती एवं जलाऊ का ई.एम.डी. राशि का अलग-अलग चेक देवें।

वन मण्डलाधिकारी
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल,
मनेन्द्रगढ़

जी-242503874/9

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 9713108088
8719000259

सरगुजा फ्रंटलाइन

कलेक्टर एवं आयुक्त नगर निगम ने नगर की सफाई व्यवस्था का किया आकस्मिक निरीक्षण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर सरगुजा एवं आयुक्त नगर निगम द्वारा प्रात: 6 बजे से नगर की सफाई व्यवस्था का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। भ्रमण के दौरान रिंग रोड में रोड स्वीपिंग, नाली, नाला सफाई का निरीक्षण किया गया। मटन मार्केट में सफाई कार्य के निरीक्षण दौरान पार्किंग क्षेत्र में कांक्रीट नहीं होने के कारण सफाई कार्य में समस्या को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यक सुधार कार्य करने के निर्देश दिए गए। यहां स्थित सार्वजनिक शौचालय का निरीक्षण किया गया। नगर के समस्त सार्वजनिक

शौचालय मे नियमित सफाई रखने एवं आवश्यक मरम्मत कार्य तत्काल करने के निर्देश दिए गए। एसएलआरएम केंद्र खालपारा एवं डीसी रोड का निरीक्षण करके स्वच्छता दीदियों से संग्रहण कार्य के संबंध में जानकारी ली गई। कलेक्टर ने केंद्रों में रिक्शा क्रय करने एवं आवश्यक मरम्मत कार्य हेतु तत्काल प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने खालपारा स्लम बस्ती में सफाई एवं नाला सफाई कार्य का अवलोकन किया। कंपनी बाजार में निरीक्षण के दौरान सफाई कार्य में सहयोग करने हेतु कंपनी बाजार एसोसिएशन के साथ बैठकर सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। नगर में भ्रमण के दौरान विभिन्न स्थलों पर कचरा फेंकने वाले लोगों तथा घरों से गीला एवं सुखा अलग-अलग नहीं देने वाले लोगों का चिन्हांकन कर समझाइश देने एवं पालन नहीं करने पर जुर्माना की कार्रवाई प्रारंभ करने निर्देशित किया गया। सैनिटरी पार्क का निरीक्षण कर सेग्रीगेशन शेड एवं प्लास्टिक ग्रेनुअल प्लांट शेड का निर्माण तीव्र गति से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए, साथ ही निर्माणाधीन निगम कार्यालय भवन, सब्जी मंडी सुभाषनगर, प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्माणाधीन एएचपी प्रोजेक्ट का निरीक्षण कर समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण दौरान निकाय के अभियंता, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

चोपड़ापारा में विधायक आवास के सामने से मोटरसायकल चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के चोपड़ापारा में विधायक आवास के सामने खड़ी दूध विक्रेता की मोटरसायकल को अज्ञात चोर ले गए। बलरामपुर जिला के राजपुर थाना अंतर्गत ग्राम अखोराखुर्द निवासी राकेश यादव ने पुलिस को बताया है कि वह प्रतिदिन की भांति 14 नवम्बर को अपने पिता महेश यादव के नाम पर पंजीकृत मोटरसायकल क्रमांक सीजी 15 डीएक्स 9838 में दूध लेकर अंबिकापुर आया था। सुबह करीब 11.40 बजे मोटरसायकल को चोपड़ापारा में विधायक उद्धेश्वरी पैंकरा के घर के सामने खड़ी करके विशाल चोपडा के यहां दूध देने गया था। दूध देने के बाद जब वह वापस आया तो मोटरसायकल नहीं थी। आसपास तलाश के बाद भी मोटरसायकल का पता नहीं चला। पास ही स्पोर्ट्स दुकान का सीसीटीव्ही फुटेज देखने पर करीब 20-21 साल का एक लड़का मोटरसायकल को चोरी करके ले जाते नजर आया। रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

अधिकार अभिलेख के नकल में कूटरचना कर जमीन क्रय-विक्रय करने का प्रयास

10 व्यक्तियों के विरूद्ध एफआईआर करने के निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। बलरामपुर जिला के ग्राम मदनेश्वरपुर, तहसील राजपुर में खसरा नंबर 544/22 एवं 550/1 रकबा क्रमश: 5.93 हेक्टेयर एवं 1.33 हेक्टेयर के अधिकार अभिलेख 1954-55, नकल में छेड़छाड़ एवं कूटरचना कर फर्जी दस्तावेज तैयार कर भूमि को क्रय-विक्रय करने का प्रयास किया गया है। राजस्व अभिलेख में कूटरचना करने के मामले में जिला स्तर पर जांच दल के द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन के अनुसार कुल 11 व्यक्तियों की संलिप्तता पाई गई है, जिसमें 10 के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने अनुविभागीय अधिकारी (रा.) राजपुर को निर्देशित किया गया है।

तत्कालीन कलेक्टर ने विजय बहादुर सहायक ग्रेड-03 कार्यालय

जिला शिक्षा अधिकारी बलरामपुर (संलग्न जिला अभिलेखागार) को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए निलंबित कर्मचारी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई हेतु जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिया है। साथ ही इस कार्य में संलिप्त नगर सेना की महिला कर्मचारी तेरेसा लकड़ा, नगर सैनिक, नगर सेनानी बलरामपुर का निलंबन करके अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए नगर सेनानी बलरामपुर तथा तत्कालीन उप पंजीयक बलरामपुर के लिए संबंधित विभाग प्रमुख को अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया है। कूटरचित दस्तावेज तैयार करने में संलिप्त कर्मचारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए है। जिला प्रशासन द्वारा जिले के समस्त भूमि स्वामियों से अपील की गई है कि वे भूमि से संबंधित दस्तावेजों के लिए किसी के बहकावे में न आएं। राजस्व अभिलेखों में किसी प्रकार की छेड़छाड़ एवं भू-माफियाओं अथवा किसी से भी कूटरचित अथवा फर्जी दस्तावेज प्राप्त करने से बचें। भूमि के क्रय-विक्रय के लिए आवश्यक दस्तावेज हेतु सीधे राजस्व अधिकारियों से संपर्क करें।

दस्तावेजों की कूटरचना में इनके नाम

दस्तावेजों की कूटरचना में सुनील मिंज निवासी बलरामपुर, सौरभ सिंह निवासी राजपुर, राजेश सिंह ठेकेदार बलरामपुर, बसील खलखो निवासी ग्राम भेलईखुर्द राजपुर, रमेश ठाकुर निवासी गोधनपुर अंबिकापुर, रामरूप यादव निवासी ग्राम मदनेश्वरपुर राजपुर, सुरेशचंद्र मिश्र ग्राम डुमरसोता गढ़वा, झारखण्ड, जयप्रकाश श्रीवास्तव निवासी राजमोहिनी अंबिकापुर, तेरेसा लकड़ा नगर सैनिक जिला सेनानी बलरामपुर, विजय बहादुर सिंह सहायक ग्रेड 3 कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी बलरामपुर, अनुराग वैश्य तत्कालीन उप पंजीयक बलरामपुर, वर्तमान पदस्थापना उप पंजीयक गुरूद जिला बालौद शामिल हैं।

मुख्यमंत्री गौरव पथ योजना के कार्य में पीएमओ ने जांच का आदेश दिया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजनांतर्गत पैकेज क्रमांक एमएमजीजीपीवाई एसआरजी-07 के सड़क निर्माण कार्य में अधिकारियों एवं ठेकेदार के द्वारा गुणवत्ताहीन कार्य सहित अन्य मामले की जांच के आदेश प्रधानमंत्री कार्यालय ने मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन को पत्र भेजकर दिए हैं। उक्त निर्माण कार्य को पूर्ण किए बगैर पूर्णता प्रमाण पत्र जारी कर संपूर्ण राशि निकालने, शासन की रॉयल्टी की राशि चोरी करने एवं शासकीय राशि का फर्जी दस्तावेज के आधार पर गबन करने की शिकायत आरटीआई कार्यकर्ता डॉक्टर डीके सोनी अधिवक्ता एवं आरटीआई कार्यकर्ता ने प्रधानमंत्री कार्यालय में मय दस्तावेज की थी।

बताया गया था कि कार्यपालन अभियंता ग्रामीण विकास संभाग कार्यालय के द्वारा ठेकेदार सुबोध कुमार शुक्ला को मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना के अंतर्गत वर्क आर्डर 7 जनवरी 2021 को संबंधित पैकेज नंबर दिया गया था। इसके तहत प्रधानमंत्री सड़क से झंडा चैक निम्हा, अटल चैक से कबीर चबूतरा लटोरी, मेन रोड गांधी चैक से बस्ती गुमगराकला, मेन रोड से स्कूल बगदर्री, जुगेश्वर के घर से जयपाल के घर सिरकोतंगा तक सड़क निर्माण कार्य किया जाना था। वर्क आर्डर की टेंडर राशि 85.88 लाख रुपये थी। ठेकेदार को 20.79 प्रतिशत से कम दर पर टेंडा प्रदान किया गया था, ऐसे में टेंडर राशि 68.02 लाख रुपये का वर्क आर्डर प्रदाय किया गया। एग्रीमेंट के अनुसार उक्त कार्य को पूर्ण करने की अवधि वर्षा ऋतु को सम्मिलित कर 4 महीने की है। पांचों कार्यों की पूर्णता प्रमाण पत्र कार्यपालन अभियंता ग्रामीण विकास विभाग संभाग अंबिकापुर के द्वारा 29 मई 2021 को प्रदान किया गया है। अधिवक्ता का आरोप है कि उपरोक्त निर्माण कार्यों में ठेकेदार ने संबंधित अधिकारियों से सांठगांठ करके फर्जी एमबी बनाकर कार्य किया है। स्टीमेट तथा ड्राइंग डिजाइन को नजरअंदाज कर दिया गया। स्टीमेट के अनुसार दर्शायी गई सड़क की लंबाई अनुरूप पूर्ण निर्माण नहीं कराया गया और उसका भी भुगतान प्राप्त कर लिया। इसे देखते हुए संबंधित ठेकेदार एवं अधिकारियों के विरुद्ध शासकीय राशि का गबन करने के संबंध में प्रथम सूचना पत्र दर्ज कराने का आग्रह किया गया था। आरोप है कि निर्माण कार्यों को पूर्ण करने के पश्चात ठेकेदारों को खनिज विभाग से खनिज चुकता प्रमाणपत्र प्राप्त करना आवश्यक होता है। यहां भी खनिज विभाग बलरामपुर से सांठगांठ करके फर्जी चुकता प्रमाण पत्र कार्यपालन अभियंता छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण अंबिकापुर के द्वारा प्राप्त कर लिया गया है। शासकीय राशि का फर्जी दस्तावेज के आधार पर गबन करने के संबंध में अधिवक्ता के द्वारा सूचना के अधिकार के तहत दस्तावेज प्राप्त कर संबंधित दस्तावेजों के साथ पीएमओ से शिकायत की गई थी, जिस पर प्रधानमंत्री कार्यालय नई दिल्ली के द्वारा मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन को पत्र भेजकर संबंधित शिकायत की जांच करने हेतु निर्देशित किया गया है। देखना यह है कि मामले को छत्तीसगढ़ सरकार इसे कितनी गंभीरता से लेती है।

विधायक ने स्कूल भवन का लोकार्पण किया

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। विकासखंड के गणेशपुर संकुल केंद्र के ग्राम गणेशपुर में प्राथमिक शाला के अतिरिक्त कक्ष भवन का लोकार्पण मुख्य अतिथि अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल ने किया। इस मौके पर अन्य जनप्रतिनिधियों की भी उपस्थिति रही।

विधायक राजेश अग्रवाल ने मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर पूजा-अर्चना और प्राथमिक शाला के नवीन अतिरिक्त कक्ष भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया। स्कूल में आयोजित न्योता भोज में विधायक शामिल होकर बच्चों के साथ भोजन किए। भवन का लगभग 24 लाख रुपये की लागत से निर्माण कराया गया है। लोकार्पण कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी देव कुमार गुप्ता, संकुल प्राचार्य सुमेधा तिवारी, संकुल समन्वयक असमत अली, प्रधान पाठक दमयंती भगत एवं संकुल के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

करमा तिहार में पहुंचे लुण्ड्रा विधायक ने प्राकृतिक खेती के लिए लोगों को किया प्रेरित

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम लोसगा में बुधवार को आदिवासी देशी खेती संगठन (प्राकृतिक खेती) द्वारा आदिवासी करमा तिहार का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि बतौर लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, विधायक प्रतिनिधि राकेश साहू, मंडल महामंत्री विक्रम सिंह, फादर आईजेक कुजूर, अजय बरवा, प्रवीण यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। अतिथियों ने महामानव बिसरा मुंडा के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

विधायक प्रबोध मिंज ने करमा तिहार को लेकर उपवास रखी युवतियों और ग्राम बैगा को शाल, साड़ी देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आदिवासी संस्कृति को बचाना और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना रहा। करमा तिहार कार्यक्रम

में 40 गांव के लोगों को निमंत्रण दिया गया था, जिसमें आदिवासी समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। विभिन्न गांव से करमा दलों द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई। विधायक प्रबोध मिंज करमा दलों के साथ मांदर की थाप पर थिरकते नजर आए। आदिवासी देशी खेती संगठन द्वारा स्टॉल में प्राकृतिक कंदमूल, टोकरी, दोना, आदिवासी जेवर, कोदो, कुटकी, धान, तिलहन सहित अन्य सामान रखा था। विधायक ने स्टाल का निरीक्षण किया और कार्यक्रम की सराहना करते हुए करमा तिहार को लेकर बधाई व शुभकामनाएं दी। इस दौरान कई ग्राम सरपंचों ने शादी विवाह व कार्यक्रमों के लिए सामुदायिक भवन की मांग की, जिस पर मंच से ही प्रबोध मिंज ने सामुदायिक भवन बनाने की घोषणा की। कार्यक्रम में सरपंच पति हरिलाल लकड़ा, सरपंच शांति लकड़ा, मीणा सोनवानी, कृष्ण नाथ, जमुना प्रसाद, प्रमोद सिंह, दिनेश तिर्की, प्रमिला एक्का सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की ठोकर से घायल दो युवकों की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई, एक घायल को मामूली चोटें आई है। जानकारी के मुताबिक बलरामपुर जिला के कुसमी थाना अंतर्गत ग्राम रेहड़ा का शिव कुमार अगरिया पिता डहल राम अगरिया 25 वर्ष, मंगलवार की रात को लगभग 8 बजे मुकेश और सुमीत के साथ बाइक में ग्राम कसमार जाने के लिए निकला था। कसमार में पेट्रोल पंप के पास लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए अज्ञात वाहन का चालक इन्हें जोरदार ठोकर मार दिया, जिसमें सुमीत की मौके पर ही मौत हो गई थी। शिव कुमार को गंभीर चोटें आई थी, वहीं मुकेश सामान्य रूप से चोटिल हुआ था। क्षेत्रीय अस्पताल से रिफर करने पर शिव कुमार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लाया गया, यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।

संगीत महाविद्यालय के लिए स्थाई भवन आवंटित करने की मांग

वर्तमान में पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में हो रहा कक्षाओं का संचालन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजीव गांधी शासकीय पीजी कॉलेज में संचालित हो रहे संगीत महाविद्यालय का स्थाई भवन की अनुपलब्धता के कारण गंभीर समस्याओं के बीच संचालन किया जा रहा है। यह महाविद्यालय वर्ष 2023 से संचालित है, लेकिन इसकी कक्षाएं कॉलेज परिसर के ऑडिटोरियम में एक छोटे से अस्थाई कमरे में आयोजित की जा रही है।

महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में समय-समय पर विभिन्न सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे संगीत महाविद्यालय की नियमित कक्षाओं में व्यवधान उत्पन्न होता है। छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर गैर राजनीतिक संगठन आजाद सेवा संघ के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा और संघ के छात्र मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रतीक गुप्ता ने जिला कलेक्टर के नाम अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने जल्द से जल्द संगीत महाविद्यालय के लिए एक स्थाई भवन का निर्माण कराने की मांग की है, ताकि छात्रों की समस्याओं का समाधान हो सके और उनकी शिक्षा में किसी प्रकार का व्यवधान न हो। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए इस समस्या का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। संघ ने जिला प्रशासन से इसे गंभीरता से लेने और संगीत महाविद्यालय के लिए स्थाई भवन आवंटित करने का आग्रह किया है।

लक्ष्य प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत करें, सदैव मन में सकारात्मक सोच रखें

विद्यार्थियों को नशामुक्ति, साइबर क्राइम, यातायात नियमों, विधिक साक्षरता की मिली जानकारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा पुलिस एवं स्वैच्छिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान व पुलिस अधीक्षक सरगुजा योगेश पटेल के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो के नेतृत्व में दशमेश सीनियर सेकेंडरी स्कूल पटपरिया के छात्र-छात्राओं को नशामुक्ति, साइबर क्राइम, यातायात के प्रावधानों, विधिक साक्षरता के संबंध में जानकारी दी गई। स्कूल की प्राचार्या ममता विश्वकर्मा ने नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान की टीम द्वारा दी गई जानकारी को विद्यार्थियों से ग्राह्य करने का आह्वान किया। अभियान के संयोजक वरिष्ठ समाजसेवी मंगल पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में नशा, नशा के विभिन्न प्रकार, नशे की लत, नशा करने के कारणों एवं युवाओं पर नशा के प्रभाव के संबंध में चर्चा करते हुए कहा कि बच्चे अपने कैरियर के प्रति सजग रहें, तभी वो अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। किशोरावस्था में ही बच्चे

विभिन्न कारणों से नशे की ओर आकर्षित होते हैं। इसके दुष्प्रभाव से उनका जीवन बर्बाद हो जाता है।

महिला थाना प्रभारी उप निरीक्षक सुनिता भारद्वाज ने दैनिक दिनचर्या में नशे के सामाजिक प्रभाव, पुलिस की भूमिका तथा साइबर क्राइम के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही साइबर अपराध, आनलाइन धोखाधड़ी, हनी ट्रैप, अभिव्यक्ति ऐप, संचार साथी पोर्टल, नज़रबंद (हाउस अरेस्ट), डिजिटल अरेस्ट एवं नवीन कानून संहिता के प्रावधानों के बारे में बताया। उप निरीक्षक विजय कैवर्त ने यातायात के नियमों की जानकारी दी एवं यातायात के नियमों की अवहेलना करने से होने वाली दुर्घटनाओं को आंकड़ों सहित प्रस्तुत किया। छात्र-छात्राओं को यातायात के प्रावधानों को पालन करने की हिदायत दी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केन्द्र अंबिकापुर की संचालिका विद्या बहन ने कहा कि हमारे मन में असीम शक्तियां हैं। हम जो मन में लक्ष्य निर्धारित करते हैं, उस लक्ष्य को पूरा करने के लिए सदा स्वप्न देखना चाहिए। लक्ष्य प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। हम सभी को सदैव मन में सकारात्मक सोच रखना चाहिए। यदि हम ऐसा करते हैं तो हमें अपने लक्ष्य तक पहुंचने में कोई नहीं रोक सकता। बच्चों को सफलता के दस सूत्र की गतिविधि कराते हुए राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया गया। नवा बिहान के काउन्सलर साहित्यकार, कवि संतोष दास सरल ने अपने कविता बीड़ी, सिगरेट, गुटखा, गांजा और शराब नशा हर करथे सबकर जिंदगी ला खराब के माध्यम से छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने के लिए संदेश दिया। साथ ही युवा की परिभाषा कविता के द्वारा युवाओं की सही मायने में क्या भूमिका होनी चाहिए, इससे अवगत कराया। पैरालिगल वालेटियर दुर्गा सिंह ने विधिक जानकारी प्रदान की। मंच का सफल संचालन नवा बिहान की काउन्सलर हिना खान ने किया। नवा बिहान सदस्य सुनिधि शुक्ला ने सभी वक्ताओं, दशमेश सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्राचार्या, स्टाफ तथा नवा बिहान टीम के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान के समन्वयक अनिल कुमार मिश्रा, रीना ठाकुर, खिलानन्द, ब्रम्हकुमारी बासमती का सराहनीय योगदान रहा।

विद्युत उपभोक्ताओं के फोरम की बैठक कृषि अनुसंधान केंद्र बरिमा मैनपाट में हुई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ राज्य में सिविक कंज्यूमर एंड सिविक एक्शन ग्रुप चेन्नई व अनमोल फाउंडेशन रायपुर के साथ मिलकर ग्रामीण घरेलू, छोटे व्यापारी व कृषक, विद्युत उपभोक्ताओं के फोरम की बैठक कृषि अनुसंधान केंद्र बरिमा मैनपाट में की गई, जिसमें क्षेत्र से 45 लोगों ने भाग लिया।

अनमोल फाउंडेशन के निदेशक संजय शर्मा ने सीएजी के बारे में बताया कि उपभोक्ताओं के अधिकार के लिए अलग-अलग विषयों पर कई वर्षों से सीएजी कैसे कार्य करते आ रही है। विद्युत

बचत के संबंध में देश के 6 राज्यों में कार्य कर रही है, जिसमें छत्तीसगढ़ भी शामिल है। अनमोल फाउंडेशन अलग-अलग जिलों में विद्युत उपभोक्ताओं के क्षमता विकास के लिए कार्य कर रही है, जिनमें बैठकें, कार्यशालाएं व सेमिनार शामिल हैं। सोशल इन्फ्लुएंसर, कृषि विशेषज्ञ व आदिम जाति कल्याण सहकारी समिति के प्राधिकृत अधिकारी व रिनेवल एनर्जी के एक्सपर्ट विन्देश्वरी पैंकरा ने किसानों के लिए शासन द्वारा दिए जा रहे सोलर पंप के स्टार रेटिंग वाले सिंचाई पम्पों के बारे में जानकारी देते हुए उपयोग पर बल दिया। लोगों से विद्युत बचाने हेतु जरूरत पर ही घरों में विद्युत उपयोग करने की सलाह दी। पीएम सूर्यघर योजना का लाभ लेने व उसके आवेदन की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी साझा करके लोगों के सवालों के जबाब भी दिए गए। राजमेरु राजस्थान के प्रतिनिधि व विद्युत विशेषज्ञ राकेश राय ने विद्युत टैरिफ प्लान के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की, विद्युत बचत की जरूरतों के बारे में लोगों बताया कि आने वाली पीढ़ी के लिए हमें खनिज, पानी, बिजली व अन्य संसाधनों को बचत करके रखना है, ताकि आगे वे सुखमय जीवन व्यतीत कर सकें। कार्यक्रम का शुभारंभ सार्थक के कृष्णा ने अतिथियों व प्रतिभागियों के स्वागत व परिचय के साथ किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर